@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 29 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 265 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

मलबा घरों में घुसा | चंडीगढ़ मे करंट से युवती की मौत | चारधाम यात्रा स्थगित

एजेंसी
नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है।

चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (PU) में मंगलवार सुबह PhD स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई। वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी। मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है। डीप डिप्रेशन समुद्र

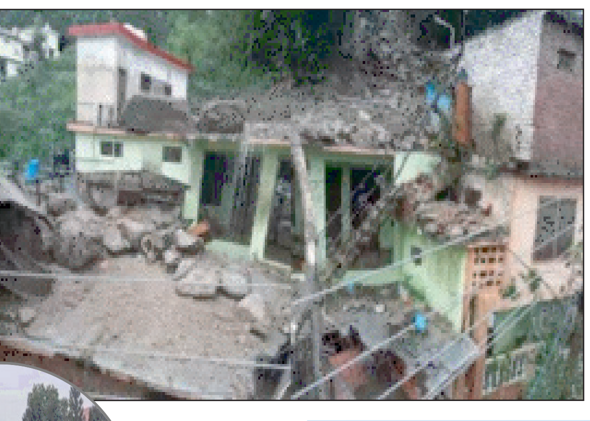

के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ के असर से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार में भारी बारिश हो सकती है।

● लाहाड़ गांव के पास गहरी खाई में गिरा वाहन, पांच की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहाड़ गांव के पास एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस भीषण हादसे में एक साल के मासूम बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में सवार सभी लोग किसी के उपचार के लिए जा रहे थे। हालांकि रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया और पूरा परिवार अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही हमेशा के लिए बिछड़ गया। इस घटना ने पूरे चंबा क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके के लिए रवाना हुए।

हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दल को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद राहत और बचाव अभियान चलाया गया और सभी शवों को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। प्रशासन का कहना है कि मृतकों की पहचान और हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी आधिकारिक पुष्टि के बाद साझा की जाएगी।

नोएडा-गाजियाबाद समेत दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली और इसके आसपास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम खुशनुमा हो गया। नोएडा, गाजियाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हो रही है। कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में बारिश की बूंदों ने दस्तक दी। इससे पहले, सोमवार दोपहर में भी कुछ इलाकों में बारिश हुई थी और रात के समय भी बूंदाबांदी देखी गई थी। इन बारिशों के कारण हवा में नमी बढ़ी और तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को उमस से बड़ी राहत मिली।

दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम में बारिश हो रही है। दिल्ली के सदर बाजार समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। दिल्ली-एनसीआर में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मंगलवार दोपहर को हुई मूसलाधार बारिश के कारण दिल्ली के जनपथ रोड़, शंकर विहार क्षेत्र सहित कई निचले इलाके जलमग्न हो गए, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-8 (एनएच 8) पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और लंबा जाम लग गया।

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी

● तकनीकी गड़बड़ी दिया हवाला

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है। सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई।

सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा। यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया।

झारखंड में ऑपरेशन नवजीवन के तहत छह इनामी नक्सली कमांडरों समेत 16 माओवादियों ने डाले हथियार

एजेंसी
रांची, । झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। एजेंसियों के 'ऑपरेशन नवजीवन' के तहत 39 लाख रुपये के इनामी छह शीर्ष माओवादी कमांडरों समेत कुल 16 नक्सलियों ने रांची स्थित पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने अपने हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी सुरक्षा बलों को सौंप दिया। इस दौरान डीजीपी तदाशा मिश्र, एडीजी मनोज कौशिक, आईजी साकेत सिंह, आईजी पंकज कंबोज, आईजी अभियान नरेंद्र सिंह, आईजी अनूप बिरथरे समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी उर्फ दिलीप उर्फ संजय महतो, 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य चंदन लोहरा, पांच-पांच लाख रुपये के इनामी सब-जोनल कमेटी सदस्य अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल और सुखलाल बिरंजिया उर्फ अकेला, दो-दो लाख रुपये के इनामी एरिया कमेटी सदस्य सुदेश होनहागा उर्फ सोनाराम और रिसिव सोय शामिल हैं।

ट्विशा मौत मामले में आरोपित गिरिबाला और समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार को दोनों मुख्य आरोपितों सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। बचाव पक्ष द्वारा वॉइस सैंपल प्रक्रिया और रिमांड बढ़ाने पर आपत्ति जताई गई, जिसे अदालत ने खारिज करते हुए सीबीआई की अर्जी स्वीकार कर ली। भोपाल के चर्चित ट्विशा मामले में आज ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई हुई। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि जमानत अर्जी खारिज होने के बाद न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आरोपित गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए अदालत में पेशी कराई गई। सुनवाई के दौरान मृतका ट्विशा के पिता और भाई भी अदालत परिसर में मौजूद रहे। मामले की गंभीरता और जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत ने सीबीआई के आवेदन को स्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों की ज्यूडिशियल रिमांड 11 अगस्त तक बढ़ाने के आदेश जारी किए।

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम होगा अपग्रेड, वंदे भारत संचालन को मिलेगा बल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने नेटवर्क क्षमता बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के परभणी-मुदखेड़ दोहरी लाइन रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी है। 163 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत विद्युत आपूर्ति से जुड़े आवश्यक कार्य भी किए जाएंगे। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि परियोजना के तहत 164 ट्रैक किलोमीटर लंबे रेलखंड पर मौजूदा 1×25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली को अत्याधुनिक 2×25 केवी प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही बढ़े हुए विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति अवसंरचना को भी सुदृढ़ किया जाएगा। परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर-इंदौर-खंडवा-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद-महबूबनगर-धोने को जोड़ता है। मंत्रालय के अनुसार, ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन से रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन के लिए अधिक विश्वसनीय और मजबूत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी।

पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नाबालिगों और बिना आपराधिक रिकॉर्ड वालों को रिहा करने के आदेश

एजेंसी
लखनऊ । नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही, पात्र छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच के लिए आगे चलकर स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (SIT) के गठन पर भी विचार किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया, जहां प्रदर्शन हुए थे, कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा फुटेज, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर लॉग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए।

राज्यों से भी मांगा गया जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर जवाब तलब किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों के साथ-साथ प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के मामलों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि जिसने भी कानून अपने हाथ में लिया है या अपनी सीमा से बाहर जाकर कार्रवाई की है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए।

असम में बाढ़ का कहर:

मोदी ने सांसदों के साथ की समीक्षा बैठक

विधायकों ने किया एक महीने का वेतन देने का एलान

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने असम के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त बाढ़ की स्थिति पर राज्य के सांसदों के साथ बैठक की। इसके साथ ही आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने एक्स पर लिखा,'असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशल मंगल की कामना करता हूं।

असम में क्या है हालात?

इस बीच, असम के शिवसागर जिले में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है क्योंकि नौजान गांव में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे सैकड़ों परिवार आश्रय, भोजन और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं। वहीं, असम के विधायकों ने एक बड़ा फैसला लिया है। रायजोर दल को छोड़कर सभी विधायकों ने मंगलवार को राज्य के बाढ़ पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए अपने एक महीने का वेतन दान करने की घोषणा की। अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने कहा कि वह और उपाध्यक्ष हब्बे टेरोन बाढ़ राहत के लिए एक महीने का वेतन दान करेंगे। उन्होंने घोषणा की, 'हमारे अलावा, विधानसभा सचिवालय के सभी कर्मचारी पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए एक दिन का वेतन दान करेंगे।' इस पहल का स्वागत करते हुए संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि भाजपा के सभी विधायक भी एक महीने का वेतन दान करेंगे। राज्य में तृणमूल कांग्रेस के इकलौते विधायक शेरमन अली अहमद ने भी ऐसा ही किया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए अपने एक महीने का वेतन दान करने की घोषणा की।

एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा - जितेंद्र सिंह बोले-

परीक्षा लीक करने वालों को अब 5 महीने में मिलेगी सजा

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, संगठित परीक्षा घोटालों और अन्य अनुचित गतिविधियों पर पहले से अधिक प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 का कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब उसे और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद सरकार यह संशोधन लेकर आई है ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रही हैं। अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग परीक्षाओं में पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। हालांकि, पहले इस तरह की सख्त कार्रवाई नहीं होती थी जैसी अब की जा रही है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि 2009 के रेलवे भर्ती परीक्षा पेपर लीक से लेकर 2012 के एम्स प्रवेश परीक्षा पेपर लीक तक कई बड़े मामले कांग्रेस सरकार के समय सामने आए। उन्होंने कहा कि इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने एक लीकप्रूफ परीक्षा प्रणाली तैयार करने का फैसला किया।

जितेंद्र सिंह ने बताया कि 1992 में कांग्रेस सरकार के दौरान एक समिति ने केंद्रीय परीक्षा समिति बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 2010 में भी एक समिति ने यही सुझाव दिया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए सरकारों ने इन सिफारिशों को लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया और 2024 में पहली बार इस विषय पर व्यापक कानून बनाया, जिसे जून 2024 में लागू किया गया।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष और दीपक बालियान लौटे घर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका और दीपक बालियान मंगलवार को जयपुर स्थित अपने घर लौट गए। समयऔर कैलेंडर

यह जानकारी खुद रांका ने एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा, पिछले दो महीनों से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के बाद आज मेरे साथी दीपक बालियान और मैं जयपुर स्थित अपने घर लौट रहे हैं। हम आज शाम 5 बजे राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों से मिलेंगे। रांका ने कहा कि जब तक हम देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक नहीं कर लेते, तब तक सीजेपी चुप नहीं बैठेगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब 37 दिनों तक सीजेपी ने छात्र आंदोलन चलाया इस दौरान केंद्र सरकार से बातचीत करने वाले सीजेपी के प्रतिनिधियों में प्रवक्ता सौरव दास के साथ आशुतोष रांका भी थे।

प्रदेश में 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

● तरुण गाबा लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

एजेंसी
नई दिल्ली। यूपी सरकार ने 15 सीनियर आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। अशोक मुथा डीजी फायर सर्विस बनाए गए हैं। तबादला सूची के अनुसार, आईपीएस मधुर अशोक जैन को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवाएं बनाया गया है। अमरेन्द्र कुमार सेंगर को पुलिस आयुक्त, लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय भेजा गया है, जबकि राम कुमार को लखनऊ रेंज से गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। नवीन अरोरा को तकनीकी सेवाओं से वाराणसी जोन और पीयूष मोर्डिया को वाराणसी जोन से प्रयागराज पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में संजय गुप्ता को पुलिस मुख्यालय से एडीजी, कानून-व्यवस्था, तरुण गाबा को पुलिस आयुक्त, लखनऊ, और धर्मेंद्र सिंह को प्रयागराज रेंज का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा मोहित गुप्ता, विनीत कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, आनंद प्रकाश तिवारी, अरुण कुमार सिंह तथा आनंद कुमार सहित अन्य अधिकारियों को भी नई तैनाती दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फेरबदल पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा सुचारु बनाने के उद्देश्य से किया गया है। नई तैनाती के बाद अधिकारियों से जल्द कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

गुजरात में मेमू ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। उमरगाम तालुका स्थित भिलाड रेलवे स्टेशन पर विरार से भरूच की ओर जा रही मेमू ट्रेन संख्या 19101 प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचने से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर घटी इस घटना में ट्रेन के फ्रंट डीएमसी यानी इंजन कोच के चार पहिए पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए इस हादसे से स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि इस डिरेलमेंट में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के समय ट्रेन में बड़ी संख्या में दैनिक यात्री, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और स्कूल-कॉलेज के छात्र सवार थे। ट्रेन के रुकते ही हड़बड़ाहट में यात्री डिब्बों से बाहर आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल तुरंत मौके पर पहुंचे। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अनुसार, स्थिति को सामान्य करने के लिए वलसाड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) और मेडिकल इक्विपमेंट की टीमों को दुर्घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। पटरी से उतरे डीएमसी कोच को दोबारा ट्रैक पर लाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। इस घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे कुछ ट्रेनों की आवाजाही में देरी हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने पटरी से उतरने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ट्रैक की स्थिति और इंजन की मैकेनिकल जांच कर रही है, जिसके बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

संसद परिसर में एनडीए सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए सांसदों ने पंजाब में सामने आए कथित परीक्षा अनियमितता के मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सरकार पर परीक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया। एनडीए सांसदों का कहना है कि पंजाब के फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में फार्मेसी परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया था, जिसने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने कहा कि जब देशभर में पेपर लीक और परीक्षा पारदर्शिता को लेकर गंभीर बहस चल रही है, ऐसे समय में राज्य सरकार को इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, संसद के भीतर भी सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रस्तावित है।

ग्रेटर नोएडा में अवैध रुप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार, आधार, पैन कार्ड भी बनवाए

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना बीटा-दो पुलिस ने बीती रात अवैध रुप से देश में रह रहे एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सांग जियाओमी (38) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा के एक सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक साल के लिए 26 जून 2019 से 25 जून 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। उन्होंने बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उन्होंने बताया कि उसने धोखाधड़ी करके वीजा खत्म होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया। वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली है। इसकी एक तीन साल की बेटी है, और यह अपनी पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाता है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं वह भारत में रहकर जासूसी तो नहीं कर रहा था।

सौरभ हत्याकांड पर बहस पूरी, आरोपी मुस्कान और साहिल सजा को लेकर चिंतित

जेलर से बार-बार करते हैं सवाल, अगर दोष हुए तो उन्हें कितनी मिलेगी सजा?

मेरठ (एजेंसी)। बहुचर्चित नीले ड्रम सौरभ हत्याकांड की बहस लगभग पूरी हो चुकी है और मामला अंतिम चरण में है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आने वाले दिनों में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। इसी बीच मेरठ जिला जेल में बंद आरोपी मुस्कान और साहिल की बेचैनी भी लगातार बढ़ती जा रही है। जेल प्रशासन का कहना है कि जैसे-जैसे फैसले की घड़ी करीब आ रही है, दोनों आरोपियों की मानसिक स्थिति में बदलाव दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेरठ जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि कोर्ट में बहस अंतिम चरण में पहुंचने के बाद दोनों आरोपी काफी चिंतित रहने लगे हैं। वे अक्सर सजा को लेकर सवाल करते हैं। खास तौर पर उनकी सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि कोर्ट का फैसला क्या होगा और अगर दोष सिद्ध होता है तो उन्हें कितनी सजा मिलेगी? जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों आरोपियों की काउंसलिंग भी कराई जा रही है। जेल के डॉक्टर समय-समय पर उनकी मानसिक स्थिति की समीक्षा करते हैं ताकि वे तनाव की स्थिति से बाहर निकल सकें। जेल नियमों के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और दोनों को रोजाना परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक मुस्कान पिछले कुछ समय से धार्मिक गतिविधियों में भी ज्यादा समय बिता रही है। वह जेल में होने वाले भजन, कीर्तन और अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती है। इस मामले से जुड़ी एक और चर्चा मुस्कान की बेटी को लेकर भी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक पहले वह अपनी बच्ची को राधा नाम से पुकारती थी, लेकिन अब वह उसे मन्नत नाम से बुलाने लगी है। उधर साहिल भी फैसले को लेकर लगातार चिंता में है। जेल प्रशासन के मुताबिक वह भी कई बार अधिकारियों से बातचीत के दौरान मुकदमे की प्रोग्रेस और संभावित सजा के बारे में जानकारी लेने की कोशिश करता है।

कावेरी जल विवाद सुलझाने की पहल, सीएम थलपति करेंगे बड़ी बैठक

सालों साल पुराने मसले को सुलझाने की पहल शुरु

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। कावेरी जल विवाद को लेकर बुलाई गई यह बैठक भारतीय राजनीति और अंतरराज्यीय संबंधों में बेहद चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, मुख्यमंत्री थलपति विजय का यह कदम तमिलनाडु के पिछले तीन दशक पुराने पारंपरिक रुख से पूरी तरह अलग है। इससे पहले तमिलनाडु हमेशा सीधी बातचीत के बजाय अदालती फैसलों, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और ट्रिब्यूनल के आदेशों पर ही निर्भर रहा है।

तमिलनाडु का लंबे समय से यह मानना था कि कावेरी विवाद केवल दो मुख्यमंत्रियों की मेज पर बैठकर नहीं सुलझ सकता। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय इस लीक से हटकर 31 जुलाई से 3 अगस्त के बीच सीधी बातचीत का प्रस्ताव रख रहे हैं। यदि यह मुलाकात सफल होती है, तो पिछले 14 वर्षों में यह पहला अवसर होगा जब दोनों राज्यों के शीर्ष नेता आमने-सामने बैठकर इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करेंगे। विजय का उद्देश्य कानूनी अधिकारों से समझौता किए बिना संकट के समय पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस वार्ता की मुख्य वजह तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पैदा हुआ गंभीर जल संकट है। ट्रिब्यूनल के तय मानकों के अनुसार 1 जून से 23 जुलाई के बीच तमिलनाडु को करीब 32 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना चाहिए था, लेकिन उसे केवल 3.5 टीएमसी पानी ही प्राप्त हुआ है। पानी की भारी कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, इस पहल को लेकर तमिलनाडु में विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने कुछ आशंकाएं जताई हैं। आलोचकों का तर्क है कि सीधी बातचीत से कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को दरकिनार करने का मौका मिल सकता है या वह मेकेदातु डैम परियोजना पर तमिलनाडु का विरोध वापस लेने का दबाव बना सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं की वार्ता आपसी सौहार्द तो बढ़ा सकती है, पर यह सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल द्वारा तय अधिकारों का विकल्प नहीं बन सकती। राजनीतिक दृष्टिकोण से विजय के पास यह लाभ है कि कर्नाटक की सत्तासीन सरकार से उनके बेहतर संबंध हैं। हालांकि जल विवादों में अक्सर स्थानीय जनभावनाओं के आगे राजनीतिक रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। यदि विजय इस बैठक से राज्य के लिए तुरंत पानी हासिल करने में सफल रहते हैं, तो यह उनकी बड़ी कूटनीतिक जीत होगी, अन्यथा विफल रहने पर आलोचक इसे राजनीतिक अपरिपक्वता कहेंगे।

लद्दाख और तवांग के पास चीन ने तैनात किए 11 स्टील्थ फाइटर जेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ संबंधों में सुधार का दिखावा करने वाला चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब चीनी वायुसेना की बढ़ती गतिविधियों ने एक बार फिर उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास स्थित अपने प्रमुख एयरबेस पर पांचवीं पीढ़ी के 11 जे-20 माइटी ड्रैगन स्टील्थ फाइटर जेट्स की तैनाती कर दी है। वैंटॉर द्वारा ली गई जून के अंत और जुलाई की शुरुआत की सैटेलाइट तस्वीरों में चीनी एयरबेस पर भारी सैन्य जमावड़ा देखा गया है। शिनजियांग के होटन एयरबेस पर 7 जे-20 फाइटर जेट्स रनवे के पास तैनात दिखे। यह एयरबेस भारतीय वायुसेना के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण दौलत बेग ओल्डी एयरफील्ड से महज 245 किलोमीटर और लेह से लगभग 389 किलोमीटर की दूरी पर है। भारतीय सीमा के इतने करीब एक साथ इतने जे-20 जेट्स की मौजूदगी का यह पहला मामला है। इसके अलावा, तिब्बत के ल्हासा में स्थित डैम्सुंग एयरबेस पर भी चार जे-20 फाइटर जेट देखे गए हैं, जो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से केवल 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। चीन का जे-20 माइटी ड्रैगन रडार को चकमा देने में माहिर है और आधुनिक एईएसए रडार से लैस है। यह चीन का प्रमुख पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे रडार पर पकड़ना बेहद कठिन होता है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल जैसे उन्नत विमानों के बावजूद, भारत के पास वर्तमान में कोई स्टील्थ फाइटर जेट तैनात नहीं है। भारत अपने स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, लेकिन इसे भारतीय वायुसेना में पूरी तरह शामिल होने में अभी कम से कम एक दशक का समय लगेगा। चीन लगातार अपने जे-20 जेट्स का उत्पादन बढ़ा रहा है। जहां साल 2019 में चीन के पास करीब 50 जे-20 थे, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या 300 से अधिक हो चुकी है और 2030 तक इसके 1000 तक पहुंचने का अनुमान है। सीमा के पास चीन का यह घातक सैन्य जमावड़ा भारत की हवाई सुरक्षा और रणनीतिक तैयारियों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश कर रहा है।

राहुल गांधी विदेशी ताकतों के हाथों की 'कठपुतली' की तरह कर रहे काम

-बीजेपी सांसद दुबे बोले- विपक्ष के नेता पद से उन्हें हटाने का प्रयास करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के हाथों 'कठपुतली' की तरह काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें इस पद से हटाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव लाने का प्रयास करुंगा। दुबे ने कहा कि वह सरकार से 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी की विदेश यात्राओं, उनके सहयोगियों और उनके कथित 'गुप्त समझौतों' की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आग्रह भी करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने कहा कि वह केवल एक माध्यम हैं, जिसके जरिए विदेशी ताकतें काम करती हैं। सिर्फ इसलिए कि वह गांधी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, उन्हें इतना कद और प्रभाव हासिल है। बीजेपी ने कई मौकों पर राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि इन यात्राओं पर किया गया खर्च उनकी घोषित आय के अनुपात में नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2004 से 2026 तक उनकी किसी भी विदेश यात्रा के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। वह विदेश जाते हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि वह किससे मिलते हैं, वहां क्या करते हैं या कई आंदोलनों में भागीदारी के लिए धन जुटाने को लेकर कैसे चर्चा करते हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि विदेश यात्राओं में राहुल गांधी भारत की नीतियों के बारे में बोलने के बजाय देश और सरकार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता से जुड़े नियमों के मुताबिक जब भी वह विदेश यात्रा करते हैं तो उन्हें देश और सरकार की नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए, लेकिन राहुल गांधी ने अपनी सभी विदेश यात्राओं में भारत की नीतियों के बजाय देश, सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। कांग्रेस पर देश को अस्थिर करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए दुबे ने दावा किया कि देश को बांटने की 'साजिश' में पार्टी की 'सबसे बड़ी भूमिका' रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग देश को बांटने की साजिश में शामिल हैं, जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, उन्हें वित्त पोषित करने वाले लोग, धन उपलब्ध कराने वाले लोग और जो गतिविधियां हुई हैं- इन सभी में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है उस पर कार्रवाई हो

-सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी ने नीट प्रदर्शन को लीड किया। इसके अगुवाई में 20 जुलाई को संसद मार्च था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बर्बर एक्शन का आरोप लगाया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं होनी चाहिए। 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि जिसने भी ज्यादती की है और कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर तय नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो कानून को अपना काम करना चाहिए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए उन छात्रों को रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

जंतर-मंतर पर हुए हंगामा मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि छात्र प्रदर्शन के दौरान 250 पुलिसकर्मियों पर हमले की भी जांच होनी चाहिए। पता लगाया जाए कि हमला छात्रों ने किया या असामाजिक तत्वों ने। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य सभी घटनाओं की सच्चाई सामने लाना और जिम्मेदार लोगों की पहचान करना होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने असम, मध्य प्रदेश, यूपी, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई मामले को एकसाथ जोड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंदोलन में शामिल किसी भी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाए। सभी की सुनवाई व्यापक स्तर पर एकसाथ की जाएगी। छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोप एक हाई पावर जांच की मांग करते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जांच में पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों के आरोपों की भी जांच की जाएगी।

हालांकि, कोई आदेश पारित करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को अपना पक्ष हलफनामे के जरिए रखने का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने संबंधित राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया है, क्योंकि प्रस्तावित जांच में उन राज्यों में हुई हिंसा के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि सभी पक्षों का जवाब मिलने के बाद मामले में आगे के आदेश पारित किए जाएंगे।

बीजेपी का धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान करना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न''

-राहुल गांधी ने कहा- प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि संसद परिसर में बीजेपी के सांसदों ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान किया जाना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न'' है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि इसी व्यवस्था ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि प्रधान को इस्तीफा भी ''नैतिकता से नहीं, युवाओं के आक्रोश से डरकर'' देना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि आज उसी व्यक्ति को संसद में बीजेपी माला पहना रही है। यह कोई सम्मान नहीं लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न मनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का हर छात्र यह देख रहा है और इसमें शामिल हर चेहरे को याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधान शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे के बाद सोमवार को जब पहली बार संसद पहुंचे तो बीजेपी सांसदों उनका स्वागत किया। बिहार के दरभंगा से लोकसभा सदस्य गोपालजी ठाकुर ने उन्हें मिथिला की पारंपरिक टोपी और शॉल भी पहनाया गया।

तेज प्रताप को नहीं मिली राहत, अदालत ने फैसला रखा सुरक्षित

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेजप्रताप यादव को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। पटना की अदालत में पुलिस अधिकारियों पर हमला और हत्या के प्रयास के आरोपी पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव और छात्र नेता अभय आत्मन सिंह की नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई पूरी हो गई है, लेकिन अदालत ने अपना आदेश फिलहाल सुरक्षित रख लिया है।

अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी आरती उपाध्याय की अदालत में सोमवार को बेऊर केंद्रीय कारागार में बंद तेजप्रताप यादव की जमानत पर गहन बहस हुई। गांधी मैदान थाना पुलिस ने तेजप्रताप यादव और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिसकर्मियों की हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का दावा है कि इस हिंसक प्रदर्शन के दौरान गांधी मैदान थाना अध्यक्ष समेत आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। सुनवाई के दौरान तेजप्रताप यादव के वकील ने दलील दी कि राजनीतिक विद्वेष और विरोध के चलते पुलिस ने उनके मुवक्किल पर झूठा केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने तेजप्रताप को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए तुरंत नियमित जमानत पर रिहा करने की मांग की। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने यह आरोप भी लगाया कि तेजप्रताप के खिलाफ रविवार रात करीब 12:50 बजे प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि उन्हें उससे कई घंटे पहले ही गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया गया था। दूसरी तरफ, सरकारी वकील ने जमानत अर्जी का कड़ा विरोध किया। इसी मामले से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में पटना सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनीष कुमार उपाध्याय ने विधायक संदीप सौरभ समेत दर्जनों नेताओं और छात्रों की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पुलिस से उनके आपराधिक इतिहास और मेडिकल रिपोर्ट की मांग की है। इस मामले की अगली सुनवाई 1 अगस्त को होगी। गौरतलब है कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग और परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा 25 जुलाई को बिहार बंद का आह्वान किया गया था। इस प्रदर्शन के दौरान पटना, सारण, सिवान, औरंगाबाद और भागलपुर में हिंसा भड़क गई थी। पुलिस ने तेजप्रताप यादव को सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस पर हमले के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने की पीएम मोदी से मुलाकात, अहम मुद्दों पर की चर्चा

-पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा

बरनाला(एजेंसी)। पंजाब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लो ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से शिष्टाचार भेंट कर पंजाब से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, किसानों, उद्योग, बुनियादी ढांचे, युवाओं के लिए रोजगार, निवेश और संगठनात्मक गतिविधियों समेत कई विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मुलाकात को पंजाब के विकास और केंद्र-राज्य समन्वय की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बैठक में केवल सिंह ढिल्लो ने पीएम मोदी को पंजाब की वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब की प्रगति के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत करना, कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ना, उद्योगों को प्रोत्साहन देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना समय की जरुरत है। उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि पंजाब की जनता विकास, सुशासन और पारदर्शिता की अपेक्षा रखती है। राज्य में निवेश बढ़ाने, सड़क एवं परिवहन नेटवर्क को सुदृढ़ करने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से पंजाब विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

पीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने, उद्योगों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े सकारात्मक सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा भी दिया। ढिल्लो ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को उन्होंने पीएम के समक्ष रखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और आम लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। पार्टी का लक्ष्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसेवा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ की क्राइम प्रोफाइल तैयार, 101 पर हत्या तो 284 पर लूट-डकैती के केस सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद 2,873 लोगों के पुलिस सत्यापन में 989 व्यक्तियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, बलात्कार, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध, अवैध हथियार और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त रहे लोग शामिल हैं। यह सत्यापन 'चलो संसद' मार्च के दौरान हुई हिंसा और झड़पों के बाद शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, जांच में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट और डकैती, 229 शस्त्र कानून, 135 झपटमारी, 19 अपहरण और 67 मादक पदार्थ संबंधी मामलों में पहले से आरोपित पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ बलात्कार, 25 के खिलाफ महिलाओं की लज्जा भंग या छेड़छाड़ तथा छह के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामले दर्ज मिले। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 65 से अधिक प्रदर्शनकारी और 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। इसी घटनाक्रम के बाद प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास मौजूद लोगों का विस्तृत सत्यापन किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कई लोगों पर एक से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या के मामलों से जुड़े 101 लोगों में से 42 दो या उससे अधिक मामलों में शामिल रहे, जबकि 12 के खिलाफ 10 या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार हत्या के प्रयास के 62 आरोपितों में 25 के खिलाफ दो या अधिक मामले पाए गए। लूट और डकैती के मामलों में शामिल 284 लोगों में से 155 के खिलाफ दो या अधिक तथा 31 के खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज मिले। बलात्कार के मामलों में शामिल 61 लोगों में से आठ और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपितों में छह के खिलाफ भी एक से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, मादक पदार्थ संबंधी मामलों में शामिल नौ लोगों का भी बहु-आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया। पुलिस के अनुसार, यह सत्यापन विभिन्न जिला पुलिस इकाइयों और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उपलब्ध आपराधिक डेटाबेस तथा डोजियर रिकॉर्ड के आधार पर किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोगों की आपराधिक पृष्ठभूमि की पहचान करना और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच में सहायता करना था। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस सत्यापन से प्राप्त निष्कर्ष हिंसा की जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए जाएंगे।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ, को मिला चौथा स्थान

वाराणसी। स्ङ्हह्ठ्ठ्ठ्ठह्लढ्ढ ङ्कङ्गह्ल्ङ्गठ्ठङ्गह्यढ्ढ- भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को आखिरकार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को यह ऐतिहासिक घोषणा की गई। करीब 28 वर्षों के इंतजार के बाद मिली इस मान्यता के साथ पूर्वांचल तक पहुंच गई है। यूनेस्को की ओर से मान्यता प्राप्त संपत्ति में चौखंडी स्तूप और सारनाथ का पुरातात्विक परिसर शामिल है। चौखंडी स्तूप उस स्थान का प्रतीक माना जाता है जहां भगवान बुद्ध का अपने पांच प्रथम शिष्यों से मिलन हुआ था। वहीं, पुरातात्विक परिसर में धमेख स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष और सम्राट अशोक का प्रसिद्ध स्तंभ शामिल हैं। ये स्मारक

सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इससे उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को वैश्विक पहचान मिलने के साथ पूर्वांचल के धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। सारनाथ को तीन जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लंबे समय तक चली प्रक्रिया के बाद अब इसे विश्व धरोहर का दर्जा मिला है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी ही विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल थे। सारनाथ के जुड़ने से प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पहली बार सारनाथ के बौद्ध धर्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकास की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाते हैं। बौद्ध धर्म में सारनाथ का विशेष महत्व है। यहीं भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश देकर धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। इसी स्थान से बौद्ध संघ की स्थापना और करुणा, शांति तथा मध्यम मार्ग का संदेश पूरी दुनिया में प्रसारित हुआ। करीब 2600 वर्षों से यह स्थल बौद्ध श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इसे उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास के प्रयासों का यह परिणाम है। उनके अनुसार, इस मान्यता से उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी और प्रदेश का शांति एवं आध्यात्मिकता का संदेश दुनिया तक और प्रभावी ढंग से पहुंचेगा। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि सारनाथ को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने से विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और उन्हें उत्तर प्रदेश के अन्य बौद्ध स्थलों से जोड़ने में मदद मिलेगी। वहीं, संरक्षण वास्तु विशेषज्ञ आभा नारायण लांबा ने कहा कि सारनाथ केवल स्मारकों का समूह नहीं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का केंद्र है, जहां आज भी ढाई हजार वर्षों पुरानी बौद्ध परंपरा जीवित है।

मुख्य अभियुक्त वांछित अपराधी है तो उसकी मां को और अधिक जेल में रखने का क्या उद्देश्य, सुप्रीम कोर्ट में प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह की दलील

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली- मृतका गुड्डी कुमारी की शादी हिंदू रीति रिवाज से बड़ी हे धूम धाम के साथ गंगा प्रसाद से हुई लेकिन पति गंगा प्रसाद और उसके परिवार वाले गुड्डी के मायके वालो द्वारा दिए गए दहेज से खुश नहीं थे, गुड्डी के पति और ससुराल वालों जिनमें शुभकला देवी, रीता देवी, फुल देई, पूनम देवी, संतोष राम, विक्रम, श्याम सुंदर आदि ने गुड्डी के नाम पर दो तीन बैंकों से लोन ले लिया और लोन ली हुई सभी रकम आपस में बांट ली, उसके बाद भी गुड्डी के मायके वालो से पाँच लाख और चार पहिया कार की मांग की जाने लगी उनकी मांगे पूरी ना होने पर उपरोक्त सभी ससुरालीजनो ने दिनांक 10-09-2024 को ठंड की रात्रि में लगभग 11 बजे प्लानिंग बना कर एक राय व एकमत होकर साजिश के साथ गुड्डी को घर में बंद कर के लोहे की रॉड से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और मार मार कर उसे घायल कर दिया, पास पड़ोस में कोई आवाजें न जाए इसके लिए हाथ पैर पकड़ कर गुड्डी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और रस्सी लपेट कर उसका गला भींच दिया जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई उसके बाद सभी ने लाश के लापता करने की पूरी कोशिश की किंतु मौका नहीं मिलने के कारण शव को घर के दरवाजे पर रख कर रातों रात दहेज का सभी सामान अपने पड़ोसी के घर पर रखकर फरार हो गए एवं गुड्डी की दुधमुही डेढ़ वर्ष की बच्ची के जोर जोर से रोने के कारण भागते वक्त उस बच्ची को मारने की नीयत से पोखर में फेंक कर मारना चाहा लेकिन आस पड़ोस के लोगों ने दुधमुंही बच्ची को सकुशल बचा लिया, अगले दिन गुड्डी के मायके वालो को घटना के बारे में पता चला तो वो आनन फानन में पहुंचे और बहेड़ी थाना में अगले दिन भारतीय न्यायिक संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत जिनमे 80, 85, 3, 5 अंतर्गत

मामला दर्ज हुआ, शुभकला देवी को पुलिस ने दिनांक 13-09-2024 को गिरफ्तार कर लिया और कई जगह छापा मारी की लेकिन गुड्डी का पति घटना का मुख्य आरोपी गंगा प्रसाद, पुलिस की लाख कोशिशों के बाद भी गिरफ्तार नहीं हो सका, मामले में चार्ज शीट फाइल होने के बाद शुभकला देवी की सत्र न्यायाधीश की जिला अदालत ने जमानत याचिका निरस्त कर दी, जिसके बाद मामला उच्च न्यायालय पहुंचा, उच्च न्यायालय ने भी कठोर रुख अपनाते हुए शुभकला की जमानत याचिका निरस्त कर दी, अंततः जेल में शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक प्रताड़ना झेल रही शुभकला ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना बेहतर समझा और प्रख्यात वकील डा. ए पी सिंह द्वारा मामले में पैरवी करने का विश्वास लिया, डॉ. ए पी सिंह की टीम ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटिशन क्रिमिनल दायर की, मामला सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की विशेष खंडपीठ जिसमें जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन के समक्ष मामला सूचीबद्ध हुआ, केस एडमिट हुआ, प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह ने अपनी बेबाक शैली में दलीलें रखी, राज्य सरकार को नोटिस जारी हुआ, राज्य सरकार ने डॉ. ए पी सिंह की याचिका का काउंटर जवाब दिया, शुभकला की तरफ से फिर रिजॉइंडर दिया गया, राज्य सरकार कोर्ट को संतुष्ट नहीं कर पाई कि मुख्य अभियुक्त वांछित अपराधी है तो उसकी मां शुभकला को और अधिक जेल में रखने का क्या उद्देश्य, प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह के इसी तर्क को आधार बनाते हुए विशेष खंडपीठ के जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन ने जिला अदालत को मामले में उचित राशि का जमानत नामा लेकर शुभकला देवी को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया एवं राज्य सरकार के वकील की सुप्रीम कोर्ट की ग्रीष्म कालीन छुट्टियों के बाद केस में नए तथ्य लाने तक मामले को लंबित रखने की दलील भी सिरे से खारिज कर दी

मानसिक तनाव में था बेटा, उससे गलती हो गई

इटावा। सुप्रीम कोर्ट में खुद अपना मामला लड़ने के दौरान जजों से बदसलूकी करने वाले प्रबल प्रताप यादव जिले की भरथना तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भोली के गांव नगला जयलाल के रहने वाले हैं। प्रबल प्रताप के पिता सुरेंद्र सिंह यादव ने शनिवार को कहा कि बेटा आर्थिक संकट से जूझ रहा था। इस बीच उसके साथ साइबर फ्रॉड भी हो गया। इसकी शिकायत भी नहीं सुनी गई थी। इसके लिए ही उसने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। आर्थिक तंगी के बीच कहीं सुनवाई न होने की वजह से वह तनाव में था। इसलिए ही उससे शायद कोर्ट में गलती हो गई। सुरेंद्र ने बताया कि उनकी दो बेटियां और एक बेटा प्रबल है। बेटियों की शादी हो चुकी है। सिर्फ दो बीघा खेती है। ऐसे में घर की आर्थिक स्थिति कमजोर है। आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए प्रबल लगातार पढ़ाई करके अच्छी नौकरी करना चाहता था। उसने तीन साल पहले जिले के चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज से बीएड किया था। सरकारी नौकरी न मिलने की वजह से दो साल पहले वह लखनऊ विवि से वकालत करने चला गया था। वहां वह कैंपस के पास ही किराए के एक कमरे में रह रहा था। खर्चा चलाने के लिए ट्यूशन पढ़ाता था। वह एक निजी कंपनी में नौकरी भी कर रहा था। इसी बीच वह किसी साइबर फ्रॉड का शिकार हो गया था। जिसमें उसका काफी नुकसान हुआ था। प्रबल के ताऊ रविंद्र सिंह ने बताया कि इस फ्रॉड की शिकायत उन्होंने संबंधित थाने में की थी। वहां सुनवाई नहीं हुई तो पुलिस के उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया लेकिन किसी नहीं सुना। इस पर उसने कोर्ट से मुकदमा दर्ज कराया था। निचली कोर्ट से भी न्याय न मिलने पर प्रबल सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट में हुए मामले के बाद तिलक मार्ग पुलिस ने प्रबल को हिरासत में ले लिया था। शनिवार रात नौ बजे तक वह पुलिस की हिरासत में ही था। जानकारी पर प्रबल के मामा का बेटा रवि उसे छुड़वाने के लिए गया था। फोन पर हुई वार्ता में उसने बताया कि पुलिस ने प्रबल को थाने में बैठा रखा है। शनिवार दोपहर को प्रबल का मेडिकल भी कराया गया है, पर जेल नहीं भेजा गया। बताया कि एसओ से बात होने पर उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर ही उसे छोड़ा जाएगा। रवि ने बताया कि प्रबल फ्रॉड के बाद से काफी परेशान चल रहा था। पिता सुरेंद्र ने बताया कि प्रबल के तीन मामा हैं। तीनों पुलिस में हैं। एक सतवीर अलीगढ़ और राजेंद्र, रामनरेश दो मथुरा में तैनात हैं। बताया कि घर की पारिवारिक स्थितियां ठीक न होने की वजह से प्रबल को जहां भी पढ़ाई में आर्थिक सहयोग की जरूरत पड़ती थी, उसके मामा ही करते थे।

कांवड़ यात्रा के लिए चलेंगी 300 अतिरिक्त बसें, 30 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

लखनऊ। कांवड़ यात्रा के दौरान रोडवेज बसों में तीर्थयात्रियों को असुविधाएं न हों, इसके लिए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की ओर से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। वहीं अफसरों के अनुसार 300 से अधिक अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि 30 जुलाई से श्रावण मास की कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। मुख्य पर्व श्रावण शिवरात्रि 11 अगस्त को मनाई जाएगी। ऐसे में लखनऊ के अलावा आगरा, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, गोरखपुर और वाराणसी जैसे प्रमुख मार्गों पर बसों की समुचित व्यवस्था और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। कांवड़ यात्रा के प्रारंभ में हरिद्वार के लिए अधिक तीर्थ यात्री यात्रा करते हैं, इसलिए हरिद्वार मार्ग पर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था होगी। परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। बसों की गति निर्धारित सीमा में होनी चाहिए तथा चालकों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट आवश्यक होगा। वहीं, प्रबंध निदेशक पीएन सिंह ने बताया कि पहला सोमवार तीन अगस्त को है। प्रत्येक क्षेत्र के मुख्यालय पर 24 घंटे चलने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर रूट डायवर्जन प्लान का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

नौकरी की तलाश में निकले युवक की हादसे में मौत, रोडवेज ने बाइक को मारी टक्कर

गोंडा। यूपी के गोंडा में अयोध्या मार्ग पर शनिवार दोपहर रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार भरतलाल यादव की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। दत्त नगर गांव निवासी भरतलाल यादव (27) शनिवार दोपहर गांव के रंजीत के साथ बाइक से नौकरी की तलाश में अयोध्या जा रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे अयोध्या मार्ग पर कनकपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही रोडवेज बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि भरतलाल सड़क पर गिरकर बस के पहिये की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक पर पीछे बैठे रंजीत को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही सरयू घाट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायल भरतलाल को मेडिकल कॉलेज अयोध्या भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हुई है। युवक हेलमेट लगाए था या नहीं, इसके बारे में जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी। भरतलाल की शादी करीब पांच वर्ष पहले ज्योति से हुई थी। उनकी कोई संतान नहीं थी। वह पिता शिवकुमार और मां गुड्डन देवी के इकलौते बेटे थे। बेटे की मौत की खबर मिलते ही माता-पिता और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पति के निधन की सूचना मिलते ही पत्नी ज्योति बेसुध हो गईं। परिवार खेती-किसानी से जुड़ा है।

महिला मित्र संग रह रहे युवक की मौत, हत्या का आरोप

कानपुर।ुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-दो में रील बनाने वाली महिला मित्र के साथ रह रहे राहुल (38) की शनिवार सुबह संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला उसे सहयोगियों की मदद से कांशीराम अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजन ने महिला मित्र पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत करा शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रावतपुर के सराय निवासी पिता महेश शुक्ला ने बताया कि राहुल प्रिंटर और टोनर का काम करता था। वर्ष 2011 में उसकी शादी आवास विकास कल्याणपुर निवासी स्मिता से हुई थी। दोनों की एक बेटी आराध्या है। शादी के करीब तीन साल बाद राहुल को रील बनाने वाली महिला ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। परिवार के विरोध के बावजूद राहुल ने परिवार से अलग महिला मित्र के साथ रहने लगा। पिता और छोटे भाई अंकित के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10 बजे गुजैनी चौकी पुलिस ने फोन कर राहुल की मौत की सूचना दी।

समय पर स्कूल का ताला नहीं खुला, दीवार फांदकर स्कूल में घुसे बच्चे

हाथरस। बिसावर क्षेत्र के गांव सरौठ स्थित पंचायत सचिवालय में संचालित संविलियन विद्यालय शनिवार को समय पर नहीं खुला। काफी देर तक इंतजार करने के बाद कई बच्चों ने जान जोखिम में डालते हुए विद्यालय की दीवार फांदकर और फाटक के ऊपर से चढ़कर परिसर में प्रवेश किया। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विद्यालय अक्सर निर्धारित समय से देर से खुलता है, जिससे बच्चों को मजबूरी में रोजाना इस तरह का जोखिम उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने मामले पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है।

NAME CHANGE
I, SHEHNAZ BEGUM D/O BASHEER AHMED R/O HOUSE NO. 2532, SADAK PREM NARAYAN, CHURIWALAN, DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM SHEHNAZ AZIZ TO SHEHNAZ BEGUM FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, RAISH ANSARI R/o H No. 117 street no. 6 saraswati colony sehatpur EXTN. Faridabad Haryana pin-121003 have changed my name to MOHAMMAD RAHISH.

NAME CHANGE
I SHRI BHAGWAN SINGH CHAUHAN S/O PARMESHWAR SINGH CHAUHAN R/O H NO-O-28/2 SAURAB VIHAR JAITPUR SOUTH DELHI-110044 HAVE CHANGE MY NAME SHREE BHAGAWAN SINGH CHAUHAN

NAME CHANGE
I SHAIL DEVI W/O SHREE BHAGAWAN SINGH CHAUHAN R/O H NO-O-28/2 SAURAB VIHAR JAITPUR SOUTH DELHI-110044 HAVE CHANGE MY NAME SHAILI DEVI

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15743241M Rank-L/Nk Name-KHEDKAR KRUSHNA RAMNATH Presently residing at, VILL-RALE-SANGVI, PO-BRAMHANATH YELAME, TEHSIL-SHIRUR KASAR, DIST-BEED, MAHARASHTRA-413249, have changed my mother's name from SINDHU to KHEDAKAR SINDHU RAMNATH for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 12/06/1975 instead of her correct date of birth as 01/01/1973 vide Affidavit dated 28/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15743241M Rank-L/Nk Name-KHEDKAR KRUSHNA RAMNATH Presently residing at, VILL-RALE-SANGVI, PO-BRAMHANATH YELAME, TEHSIL-SHIRUR KASAR, DIST-BEED, MAHARASHTRA-413249, have changed my father's name from KHEDKAR RAMNATH to RAMNATH SHANKAR KHEDKAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1969 instead of his correct date of birth as 02/05/1969 vide Affidavit dated 28/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANOJ KUMAR TIWARI S/o Sudhir Tiwari R/o 124 PA, PA, Mahuriya Tola, Paru Khas, Paroo, Muzaffarnagar, Bihar-843112, have changed my name to MANOJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE
I, MOHD AQUIL S/O MEHAR ILAHI residing at A-356/712, A-BLOCK, GALI NO-3, CHAUHAN BANGER, NEW SEELAMPUR, DELHI 110053. have changed my name to MOHAMMAD AQUIL for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHAHEEN PARVEEN w/O ASLAM KHAN R/O H NO-1923 STREET PATTE WALI SUI WALAN DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to SHAHIN PARVEEN

NAME CHANGE
I, TARLOCHAN SINGH S/o Charanjeet Singh Bakshi R/o 5, Dhakrey Enclave, M.G Road, Agra, Uttar Pradesh-282001, have changed my name to TARLOCHAN SINGH BAKSHI permanently.

NAME CHANGE
I SHAHNAZ W/o FAZAL KHAN R/o 1355-A Ground Floor Gali No 15 Rajeev Gandhi Nagar New Mustafabad Delhi-110094 has changed my name from SHAHNAZ to SHAHNAZ BEGUM for all purposes.

NAME CHANGE
I, SAKEEL S/O. MEEDA R/O. KIDWAI NAGAR, GALI NO-2, GURUDWARA ROAD, MODI NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201204. have changed my name to SHAKIL MALIK for all future purposes.

NAME CHANGE
I Nayyer Azam S/O Fazal Ahmed Farooqui R/O D74- 75 4TH FLOOR Flat no 401, Abul Fazal Enclave part I,Jamia Nagar Okhla Delhi 110025 have changed my name to Nayyer Azam Farooqui

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohammad Furqan S/o. Abdul Hakeem, R/o. V-36, Welcome Photo Chowk, Garhi Mendu, Bhajan Pura, Seelam Pur, North East Delhi, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Mohammad Furkan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohammad Shakil S/o. Mohammad Jameel Alias Muhammad Jameel, R/o. House No. A-126, Welcome Colony, Seelampur Phase IV, Seelampur, North East Delhi, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Muhammad Shakeel.

NAME CHANGE
I, Sushom Kumar Garg S/o Ashok Garg R/o BE-216, Street No.5, Hari Nagar, Delhi-110064 have changed my name to Sushom K Garg.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KAUSHALENDRA RAJPUT S/O CHHEDI LAL, R/O RZ-265, Durga Vihar Phase 2, Gali No-13, Najafgarh, VTC: Dindar Pur, District: South West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110043, declare that name of my mother has been wrongly written as RUPA RAJPUT in my all Educational Documents. The actual name of my mother is RUPRANI DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, AMARJEET SINGH S/O GOVIND SINGH R/O A-24 PUNCHVATI APPT, VIKASPURI DELHI 110018, CHANGED MY NAME TO AMARJIT SINGH.

NAME CHANGE
I, SAYRA BANO W/O MOHD SHAMSUDDIN ANSARI R/O FLAT NO.PVT C-5 KH.NO.38/2/2, 2ND FLOOR STREET NO 4 ROYAL APPARTMENT SANGAM VIHAR JHARODA MAJRAA,PO: BURARI DIST NORTH DELHI 110084, CHANGED MY NAME TO SAYRA BANO ANSARI.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD HASHIM KHAN S/0 RAHIM KHAN R/0 51 SECOND FLOOR GALI NO 10 BRIJ PURI EXTENSION NO 10 KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI 110051 CHANGED MY NAME TO HASHIM KHAN

NAME CHANGE
I MOHAMMAD KHURSHID KHAN S/0 HASHIM KHAN R/0 51 SECOND FLOOR GALI NO 10 BRIJ PURI EXTENSION NO 10 KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI 110051 CHANGED MY NAME TO KHURSHID KHAN

NAME CHANGE
It is for general information that I, JAHIRUDDIN KHAN S/o ABDUL RAZAQ KHAN, R/O K-18, K-BlocK CHANKYA PLACE, Part -2 UTTAM NAGAR, west-Delhi, Delhi- 110059, declare that name of mine have been wrongly written as JAHIRUDDIN MOHAMMAD BABER KHAN, in my 10th class and name of mine have been wrongly written as JAHIRUDDIN MOHAMMAD BABER KHAN, in my 12th class educational documents, The actual name of mine as JAHIRUDDIN KHAN, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I AMIT SATISH SHARMA S/O SHRI SATISH KUMAR SHARMA R/O 162 STREET NO 7 DHAWAN COLONY FEROZEPUR CITY TEHI AND DISTRICT FEROZEPUR, PUNJAB 152002 have changed my name to AMIT SHARMA

NAME CHANGE
I hitherto known as M M WALIA S/o KLAHILUWALIA R/o 483, Sector-28, Noida, PO:Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as MOHINDER MOHAN WALIA.

Public Notice
I, Vanika Kapoor alias Yasha Aziz D/o Anup Kapoor W/o Yusuf Aziz R/o I-801 Aditya Celebrity Homes, Sector -76, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Islam and renounced Hinduism religion with effect from 23-10-2018 and have changed my name and shall hereafter be known as Yasha Aziz

NAME CHANGE
I, hitherto known as VINOD KAHAR S/O LALU PRASAD R/O 825, Near Vardan International School, Sewanagar, Ret Mandi, Nandgram Road, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001have changed my name and shall hereafter be known as SHYAM.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SONI SINGH D/O MUNNA SINGH R/O, H NO-198, Haddu Mohalla, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Po: Sarita Vihar, Dist: South Delhi, Delhi-110076 declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as SONI, MUNNA, and POOJA in my 10th Class Educational Documents and Birth Certificate No-8309 The actual name of mine, my father and my mother are SONI SINGH, MUNNA SINGH and POOJA DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I MONIKA VERMA W/O SHRI AMIT SHARMA R/O 162 STREET NO 7 DHAWAN COLONY FEROZEPUR CITY TEHI AND DISTRICT FEROZEPUR, PUNJAB 152002 have changed my name to MONIKA SHARMA

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my clients Smt. Anchi Devi W/o Late Sh. Gokul Chand, Smt. Krishna & Sh. Brahm Parkash S/o Late Sh. Gokul Chand, Tarun Kumar and his wife Shilpa Singh all R/o A-4/564, Paschim Vihar, New Delhi have severed their relations and debarred Bhaskar S/o Brahm Parkash from all their movable/immovable property because he is not under control of my clients and live life as per his own and threatened my clients with dire consequences. If anybody deals with him which is at his/her/their own risk & responsibility.
SUMIT GABA ADVOCATE
Ch.No.T-7,
Tis Hazari Court, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVEEN KUMAR S/O JAGDISH CHAND SAINI residing at H NO-C-21, 2ND FLOOR, GALI NO-16F, MOLARBAND EXTN, BADARPUR, DELHI 110044 . have changed my name to PARVEEN KUMAR SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Yasha Aziz W/o Yusuf Aziz, R/o I-801, Aditya Celebrity Homes, Sector - 76, Noida, PO: Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor son Azhaan Aziz aged 5 years and he shall hereafter be known as Ruhaan Aziz

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AKRAM S/O HAZI EHSAN R/O 35 MOHALLA SHEESGRAN POST MAREHRA ETAH UP-207401 have changed my name to MOHD AKRAM for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री तरुण कुमार (प्रस्तावित ऋणग्राही) प्लॉट संख्या 791 पर निर्मित सुपर HIG, अपर ग्राउंड फ्लोर स्थित आवासीय फ्लैट संख्या त-4, बिना छत के अधिकार, जिसका आच्छादित क्षेत्रफल 99.40 वर्ग मीटर है तथा जो शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1, ग्राम पसौंडा, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्रीमती कविता रानी सिन्हा से क्रय करना चाहते हैं, विक्रेता श्रीमती कविता रानी सिन्हा ने उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री उदय कुमार सिन्हा द्वारा निष्पादित 08.05.2026 दिनांकित उपहार विलेख के माध्यम से प्राप्त किया है, उक्त संपत्ति की स्वामित्व श्रृंखला में दिनांक 21.07.2004 की मूल विक्रय विलेख, जो श्री K.K. Bharajwad एवं श्री मूलचंद द्वारा निष्पादित की गई थी तथा दस्तावेज संख्या 6857, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 2509, पृष्ठ संख्या 1 से 48, दिनांक 21.07.2004, उप-पंजीयक कार्यालय-III, गाजियाबाद में पंजीकृत है, गुम हो गई है। उक्त संबंध में दिनांक 21.04.2026 को एल.आर. संख्या 70014562/2026 के अंतर्गत एफ.आई.आर. दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावा अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकार से मुक्त बताई गई है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा श्रीमती कविता रानी सिन्हा के पास है, उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा अथवा अधिकार हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपना दावा/आपत्ति आवश्यक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक एवं ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें, निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार या हित शेष नहीं है तथा बाद में प्राप्त किसी भी प्रकार के दावे अथवा आपत्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं निरर्थक माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AMIR S/O KAFEEL AHMED R/O R-114 GALI NO-22 BRAHAMPURI DELHI-110053 have changed my name to AMIR AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAMBHU JHA S/O MAHANDER JHA R/O E-106, BLOCK-E, SECTOR-25, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to SHAMBHU KUMAR JHA for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, SALMA BEGAM wife of No.-2888177F, Rank-EX-HAV, Name-MOHAMMAD SHAMIM residing at VPO-ISLAM NAGAR, DIST-BUDAUN, UTTAR PRADESH-243723, have changed my name from SALMA BEGAM to SALAMA BEGUM for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/10/1973 instead of my correct date of birth as 20/12/1970, Vide Affidavit dated 28/07/2026 before Notary Public, Delhi

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री रट्टी राम मीणा (प्रस्तावित ऋणी), खसरा संख्या 16/2/1, राजस्व ग्राम कुतुबापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली, स्थित कुतुब विहार, फेज-I, सी-ब्लॉक, नई दिल्ली में स्थित कुल 1008 वर्ग गज भूमि में से 450 वर्ग गज + 450 वर्ग गज + 83 वर्ग गज = कुल 983 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट को श्री दिनेश कुमार शोकीन से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, विक्रेता श्री दिनेश कुमार शोकीन ने उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री विक्रम तोकस एवं श्री कपिल तोकस द्वारा निष्पादित दिनांक 18.02.2025 की नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयतनामा के आधार पर प्राप्त किया है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के बंधकों, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावों तथा किसी भी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकारों एवं हितों से मुक्त बताया गया है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा श्री दिनेश कुमार शोकीन के पास है, उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु वित्तीय सहायता Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा- N-17, द्वितीय तल, विजय बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उपर्युक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, बंधक, ग्रहणाधिकार अथवा कोई अन्य आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर संबंधित अभिलेखों सहित अधोहस्ताक्षरी/वित्तीय संस्था को लिखित रूप में सूचित करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है, और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति के लिए वित्तीय संस्था उत्तरदायी नहीं होगी। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Iftekhar S/O Yunus R/O 291,kushallya,Ghaziabad Uttar Pradesh-201302 Have Changed My Name to Iftekhar Ahamad Khan for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, No.-2888177F, Rank-EX-HAV, Name-MOHAMMAD SHAMIM legal father of SAYYAD MOHMMAD AMMAR R/O VPO-ISLAM NAGAR, DIST-BUDAUN, UTTAR PRADESH-243723 have changed my son's name from SAYYAD MOHMMAD AMMAR to SAYYAD MOHAMMAD AMMAR, for all future purposes vide affidavit dated 28/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Usha Devi, W/O Chandan, R/O 52, Block C, Camp No 4, Jwala Puri, Sunder Vihar, Delhi- 110087 have changed my name to Usha Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Azad Chauhan, S/O Kartar Singh, R/O RZ 58/284, Gitanjali Park, West Sagarpur, Nangal Raya, Delhi- 110046 have changed my name to Azad Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Simran Kaur, W/O Jasbir Singh, R/O WZ- 103 Ground Floor, Sant Nagar, Tilak Nagar, Delhi- 110018 have changed my name to Simranjeet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RIZWANA W/O RIAZUDDIN R/O H NO 97, GALI PEEPAL WALI, CHATTA LAL MIAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to RIZWANA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Sarita Garg W/O Akshay Kumar R/O Address- 72, Patti Hulasrai, Near Bugrasi Chauraha, Siyana, Bulandshahr, UP 245412 Have change my name to Sarita Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Kaha Kashana Anjum D/O Abdul Mazid Khan R/O Kishwar Farms Usri Piperjhala Post Abgaon Usri Mitauli Kheri Uttar Pradesh 262727 Have Changed My Name to Kahkshan Anjum for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD. SAJID S/o MOHD MAJID R/o H No. : E 654 , Sudhir Enclave , Ram Park Extn. , Haqiqatpur Urf Khudawas , PO : Loni , Dist : Ghaziabad , Uttar Pradesh : 201102 have changed the name of my minor son MD HANSRAJ alias HAIDER ALI aged 7 years and he shall hereafter be known as HAIDER ALI .

NAME CHANGE
It is for general information that I AAFRIN D/o MOHD FIROZ R/o Flat No. - L , Block C - 11 2nd/Floor , Urban Shelter 980 New EWS Adarsh Apartment , Dwarka , Sector - 16B , N.S.I.T , PO : N.S.I.T Dwarka , Dist : South West Delhi , Delhi - 110078 , declare that the name of my Father has been wrongly written as FIROJ KHAN in my 10th and 12th Class Education Documents. The actual name of my Father is MOHD FIROZ Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RADHEY SHYAM S/o JUGENDRA R/o A : 305 , Gali No. : 6 , Circular Road , Sonia Vihar , Karawal Nagar , PO : Karawal Nagar , Dist : North East Delhi , Delhi : 110094 have changed the name of my minor daughter MAYANK JAISWAL aged 7 years and she shall hereafter be known as MEENAKSHI JAISWAL .

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती लता वर्मा (पत्नी श्री संजय वर्मा) और सुश्री दीपाली सुनारिया (पुत्री श्री प्रेम चंद) प्रॉपर्टी नंचर H-135 (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा नंबर 412 का हिस्सा, गांव नवादा, मोहन गार्डन कोलोनी, ब्लॉक-H, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित) के अपर ग्राउंड फ्लोर की मालिक हैं (इसमें छत टेरेस के अधिकार शामिल नहीं है)। यह मालिकाना हक 15.01.2026 की नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत के आधार पर है, जो श्री विजय कुमार शर्मा (पुत्र श्री अश्वनी कुमार) द्वारा निष्पादित की गई थी। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती नीलम शर्मा को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या किसी प्रकार कर विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री चंद्र सहगल (पिता श्री सतपाल सहगल-25% अविभाजित हिस्सा), श्री नरेश मनुजा (पिता श्री जय किशन-25% अविभाजित हिस्सा) और श्री कृष्ण कुमार दत्ता (पिता श्री आनंद राम दत्ता-50% अविभाजित हिस्सा) उक्त रिहायशी बनी-बनाई प्रॉपर्टी के मालिक हैं, जो प्लॉट नंबर 103-A पर बनी है। यह प्रॉपर्टी प्लॉट नंबर 103 (क्षेत्रफल 36 वर्ग गज) पर स्थित है, जो खसरा नंबर 227 का हिस्सा है तथा दिल्ली राज्य के नवादा गांव के रेवेन्यू एस्टेट में भगवती गार्डन एक्सटेंशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 कॉलोनी में आती है। यह प्रॉपर्टी श्री नितेश वर्मन उर्फ नितिश वर्मन (पिता श्री मीरा नंदा वर्मन) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA (दिनांक 08.05.2026), ATS एवं वसीयत के आधार पर है। यह प्रॉपर्टी श्रीमती अंजना रानी (पत्नी श्री रमेश कुमार) को बेची जा रही है तथा इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार, हित, टाइटल अथवा किसी प्रकार का विवाद हो, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संत महापुरुष समाज को सत्य, सेवा और राष्ट्रभक्ति की राह दिखाते हैं : सैनी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत-महापुरुषों का जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। उनके आदर्श मानवता, सेवा, समरसता और राष्ट्र निर्माण का संदेश देते हैं। वर्तमान पीढ़ी को उनके जीवन मूल्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है, ताकि समाज में सद्भाव और संस्कारों की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात जींद जिले के गांव उझाना में श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा खाक नाथ जी महाराज के नवनिर्मित समाधि स्थल पर आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, रोहतक स्थित मठ अस्थल बोहर के महंत तथा राजस्थान के तिजारा से विधायक महंत बालक नाथ, उझाना मठ के महंत राज नाथ, महंत पूर्ण नाथ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उझाना में सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये तथा गांव के अन्य विकास कार्यों के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग के अनुरूप गांव में सड़क निर्माण, कुंड तालाब के जीर्णोद्धार, पानी निकासी का स्थाई समाधान तथा गांव के स्कूल में विज्ञान संकाय शुरू करवाई जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर में मत्था टेका तथा यज्ञ में पूर्णाहुति दी और ध्वजारोहण भी किया। मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि किसी महा मानव की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का अर्थ केवल विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाना नहीं होता बल्कि अपने जीवन में श्रद्धा को प्रतिष्ठित करना, अपने आचरण में सत्य को अपनाना, अपने व्यवहार में करुणा को उत्पन्न करना तथा समाज में सेवा तथा सद्भाव को प्रतिष्ठित करना है। उन्होंने खुशी जाहिर की कि उझाना का पावन मठ लगभग 600 वर्षों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति हमारी आध्यात्मिक परंपरा में है। नायब सिंह सैनी ने उझाना के धाम द्वारा गौशाला के संचालन की सराहना करते हुए कहा कि गौशाला भारतीय संस्कृति की करुणा और संवेदना का जीवंत प्रतीक है। हमारी परंपरा में गौसेवा धार्मिक आस्था होने के साथ-साथ सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। प्रकृति और गौमाता की रक्षा व सम्मान की संस्कृति ही भारत को विश्वगुरु बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने सदैव समाज को एकजुट करने, मानव सेवा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया है। जब-जब समाज भटका है, तब-तब संतों ने दीपक बनकर समाज को नई रोशनी दिखाई है। संतों के बताए मार्ग पर चलकर ही सशक्त और संस्कारित समाज का निर्माण किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों के विचारों और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना' शुरू की है, जिसके माध्यम से महापुरुषों की जयंतियों और स्मृति दिवस व्यापक स्तर पर मनाए जा रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके।

मुख्यमंत्री ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों को नई पहचान दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल लोक जैसे कार्य भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों की झड़ी : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने नगर परिषद पलवल के वार्ड-10 स्थित कुसलीपुर क्षेत्र में पांच करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने पगड़ी पहनाकर और फूल-मालाओं से उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेशभर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पलवल में भी बिना किसी भेदभाव के जनहित को प्राथमिकता देते हुए विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। राज्य मंत्री ने कहा कि वार्ड-10 में शुरू किए गए विकास कार्यों के पूरा होने से लोगों को बेहतर सड़कें, सुचारु जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जलभराव की समस्या का समाधान होगा और आवागमन भी अधिक सुगम बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

मोहन लाल बडौली ने हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन का कार्यभार संभाला

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के नवनियुक्त चेयरमैन मोहन लाल बडौली को उनके पद का कार्यभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मोहन लाल बडौली को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया

कि बडौली अपने अनुभव, संगठनात्मक क्षमता एवं कार्यकुशलता के बल पर हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे तथा जनहित एवं प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यभार ग्रहण के दौरान कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, डॉ अरविन्द कुमार शर्मा, श्याम सिंह राणा, विधायक कृष्णा गहलावत, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहाकार राजीव जेटली, मीडिया सचिव प्रवीण आत्रे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

प्रदेश के राजकीय स्कूलों में शिक्षा के स्तर और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना सरकार की है प्राथमिकता:महीपाल ढांडा

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने सोमवार को पंचकूला के सेक्टर-26 स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था, कक्षाओं में पठन-पाठन का माहौल तथा विद्यार्थियों को दी जा रही विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री ने स्कूल के कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और खेल के मैदान का अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल में पाई गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। श्री ढांडा ने कहा हरियाणा सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि गरीब से गरीब बच्चे को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

बारिश में जलभराव पर सख्त हुई जिला सत्र न्यायाधीश, कोर्ट परिसर का निरीक्षण कर दिए निर्देश

हिसार। नारनौंद में दो दिन पहले हुई हल्की बारिश में ही न्यायिक परिसर सहित उपमंडल कार्यालय, सरकारी अस्पताल और अन्य सरकारी परिसरों में जलभराव होने के मामले को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक ने गंभीरता से लिया। उन्होंने न्यायिक परिसर का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए समयबद्ध निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के साथ एसडीजेएम पीयूष गक्खड़ और जेएमआईसी खुशकरनजोत सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने नगर पालिका सचिव प्रदीप कुमार और एमई राजकुमार से पूछा कि हल्की बारिश में ही न्यायिक परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में पानी भर जाना प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नालों की तत्काल सफाई कराई जाए, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए तथा रिचार्ज बोरवेल को दोबारा बोर कराकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने न्यायिक परिसर में पानी प्रवेश करने से रोकने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार को ऊंचा करने के भी निर्देश दिए।

हरियाणा विधानसभा में भाषिणी व एआई की मदद से होंगे कार्य

विधान सभा में भाषिणी पर कार्यशाला आयोजित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा सचिवालय में केंद्र सरकार की राष्ट्रीय भाषा प्रौद्योगिकी पहल 'भाषिणी' के उपयोग एवं एआई आधारित इंटरप्रेटेशन, ट्रांसक्रिप्शन, अनुवाद तकनीकों को अपनाकर कार्य किया जाएगा। इस संबंध में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रकाशन, अनुवाद तथा नेवा शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भाषिणी प्लेटफॉर्म की विभिन्न सेवाओं तथा उनके व्यावहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ नाग और उनकी टीम ने विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा विधान सभा में क्षमता संवर्धन एक सतत प्रक्रिया है और यह कार्यशाला उसी निरंतर प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भाषिणी के सहयोग से एआई आधारित अनुवाद एवं प्रकाशन की व्यवस्था विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, तेज और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस प्रणाली का संसद में उपयोग पर भी प्रस्तुति दी। यह पहल कागज आधारित व्यवस्था से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ने तथा स्मार्ट विधान सभा के निर्माण की दिशा में एक और मजबूत कदम है। इससे कार्य की गति, सुविधा, खर्च में कमी और अभिलेखों के संरक्षण को नई शक्ति मिलेगी।

कार्यशाला को विधान सभा अध्यक्ष के सलाहकार राम नारायण यादव, सचिव राजीव प्रसाद ने भी संबोधित किया। कार्यशाला के दौरान डिजीटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ नाग ने भाषिणी की

विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि इससे जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के साथ-साथ नागरिकों तथा शोधकर्ताओं को भी लाभ मिलेगा।

उन्होंने प्रकाशन, अनुवाद तथा नेवा शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग अपने दैनिक कार्यों में करें, ताकि नई तकनीकों का अधिकतम लाभ विधान सभा की कार्यप्रणाली में प्राप्त हो सके। सभी कर्मचारियों में कार्यशाला को लेकर उत्साह दिखाई दिया।

अवधारणा, कार्यप्रणाली तथा एआई आधारित भाषा तकनीकों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस दौरान डिजीटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के अन्य अधिकारियों ने भी एआई के माध्यम से भाषिणी के द्वारा भारतीय भाषाओं के बीच संवाद को सरल, सहज एवं सुलभ बनाना तथा भाषा संबंधी बाधाओं को समाप्त करने की तरकीबें बताई। उन्होंने भाषिणी के माध्यम से अनुवाद, स्पीच से टेक्स्ट, टेक्स्ट से स्पीच सहित अनेक एआई आधारित भाषा सेवाओं की जानकारी दी।

गुरुग्राम यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम यातायात पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए आज पुलिस उपायुक्त यातायात कार्यालय, ट्रैफिक टावर, गुरुग्राम में Artemis Hospital, सेक्टर-51, गुरुग्राम के चिकित्सक डॉ. संध्या (RMO), डॉ. पूनम गौतम (ENT) एवं श्री अश्वनी शर्मा (सीनियर मैनेजर) के सहयोग से वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।इस स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्देश्य 30 वर्ष से अधिक आयु की महिला अधिकारियों/कर्मचारियों तथा 35 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष अधिकारियों/कर्मचारियों के स्वास्थ्य की

नियमित जांच कर संभावित स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समय रहते पता लगाना एवं आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराना था। इस दौरान यातायात अधिकारियों एवं कर्मचारियों का BP, RBS, Height, Weight तथा Bone Mineral Density-BMD सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गई।चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए भी प्रेरित किया गया। गुरुग्राम यातायात पुलिस अपने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

नागरिकों की शिकायतों का तत्परता से करें समाधान- एसडीएम

एसडीएम योगेश सैनी ने समाधान शिविर में सुनी आमजन की शिकायतें

एजेंसी

महेंद्रगढ़। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार और डीसी अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित कर आमजन की शिकायतों का तत्परता से समाधान करवाया जा रहा है। गुरुवार को लघु सचिवालय महेंद्रगढ़ स्थित एसडीएम कोर्ट रूम में आयोजित किए समाधान शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने आमजन की शिकायतें सुनीं।

एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि सोमवार और वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निवारण किया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे

मिलकर अपनी समस्या का निवारण करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं हर शुक्रवार को सीएम कार्यालय से उच्च अधिकारियों के द्वारा समीक्षा बैठक की जाती है।

वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में पेंशन बनवाने, अवैध कब्जे हटवाने, फैमिली आईडी में आय कम करवाने, बिजली और पुलिस सहित अनेक विभागों से संबंधित शिकायतें आईं। इनमें से अधिकतर का मौके पर निवारण करवा दिया गया। वहीं लंबित शिकायतों के लिए भी अधिकारियों को जल्द समाधान करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर तहसीलदार, नायब तहसीलदार बिजेंदर सिंह, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन करेगा राज्य खेलों का आयोजन

-कोचिंग कैंप,चयन ट्रायल व ट्रेनिंग कैंप के लिए बनेगी एसओपी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन बहुत जल्द 28वें हरियाणा राज्य खेलों का आयोजन किया जाएगा। यह फैसला एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में लिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन जसविंदर मीनू बेनीवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में महासचिव एवं हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार विशेष रूप में मौजूद रहे। बैठक में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई तथा खिलाड़ियों की तैयारी, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, चयन प्रक्रिया और प्रदर्शन में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। सदन ने 28वें हरियाणा राज्य खेलों के आयोजन की प्रारंभिक रूपरेखा पर भी विचार किया। प्रस्तावित खेल विधाओं, संभावित स्थलों, आयोजन कैलेंडर, संचालन व्यवस्था तथा बजट संबंधी विषयों पर चर्चा करते हुए कार्यकारिणी को आवश्यक तैयारियां प्रारंभ करने के लिए अधिकृत किया गया। बैठक के दौरान महासचिव कृष्ण लाल पंवार द्वारा हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। पंवार ने बताया कि आने वाले समय में भी एसोसिएशन खेलों के स्तर को और अधिक ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। बैठक में चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं एवं राष्ट्रीय खेलों में भागीदारी से पूर्व चयन ट्रायल, कोचिंग कैंप एवं प्रशिक्षण शिविरों के संचालन हेतु मानक दिशानिर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि खिलाड़ियों के सभी आवश्यक दस्तावेज पंजीकरण के समय सत्यापित किए जाएंगे तथा चयन ट्रायल यथासंभव विभिन्न स्थानों पर

आयोजित किए जाएंगे और प्रतियोगिताओं से लगभग 20-25 दिन पूर्व सम्पन्न कराए जाएंगे। बैठक में एसोसिएशन के सुशासन एवं प्रभावी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एथलीट आयोग, एथिक्स आयोग, महिला खेल आयोग, मेडिकल एवं स्पोर्ट्स साइंस आयोग, विधिक मामलों की समिति, वित्त समिति, विपणन समिति सहित विभिन्न आयोगों एवं समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। बैठक में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुनील मलिक, नीरज तंवर, राकेश सिंह एवं अनिल खत्री, संयुक्त सचिव रविंद्र पन्नू एवं नरेंद्र सिंह, कार्यकारिणी सदस्य प्रिया गौतम एवं रोहित पुंडीर सहित विभिन्न संबद्ध राज्य खेल संघों, जिला ओलंपिक संघों, सरकारी विभागों, संस्थानों एवं निगमों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

मतदाता सूची की शुद्धता सजग लोकतंत्र की पहचान : डीसी

एजेंसी

झज्जर। जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय में डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर-2026 अभियान के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारियों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के बाद दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण, नोटिस जारी करने, सुनवाई प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन तथा ईसीआईनेट पोर्टल पर की जाने वाली ऑनलाइन कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वच्छ, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। निर्वाचन आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अधिकारियों को नवीन दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया है। डीसी ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण दायित्व है। इसमें कार्यरत प्रत्येक अधिकारी को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता

एवं समयबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को नवीन प्रावधानों, कानूनी प्रक्रियाओं तथा डिजिटल मॉड्यूल से भली-भांति अवगत कराना है ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ संपन्न हो सके। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रत्येक दिशा-निर्देश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि जिला झज्जर की मतदाता सूची पूरी तरह अपडेट, शुद्ध एवं विश्वसनीय बन सके।

एसआईआर अभियान 2026 के अनुरूप कार्य करें अधिकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी शुद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का प्रभावी उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करेंगे तथा जिला में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाएंगे।

समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा समाधान : एसडीएम हितेन्द्र कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। यह बात एसडीएम गुरुग्राम हितेन्द्र कुमार ने समाधान शिविर के दौरान कही।

एसडीएम हितेन्द्र कुमार ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने बताया कि शिविर में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर उनके शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने बताया कि गुरुग्राम में जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे

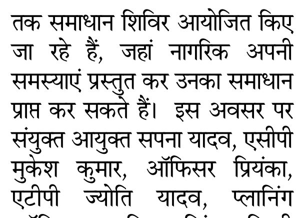

तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त सपना यादव, एसीपी मुकेश कुमार, ऑफिसर प्रियंका, एटीपी ज्योति यादव, प्लानिंग ऑफिसर सचिन सिंह, डिप्टी डीईओ दीप्ति बोकन, एसडीओ राकेश कौशिक, सुमन कश्यप, इनवेस्टिगेटर संजय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस शून्य हो चुकी है, पार्टी के पास कोई मुद्दा नहीं बचा : किरण चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता किरण चौधरी ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी शून्य हो चुकी है और उसके पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। किरण चौधरी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब केंद्र सरकार पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' सदन में पेश कर रही है। विधेयक पेश किए जाने पर विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा किया, जिससे संसद की कार्यवाही बाधित हो गई। चंडीगढ़ में बातचीत में किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस शून्य हो चुकी है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। वे सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं और सदन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर रहे हैं।

उन्होंने बच्चों का जिक्र करते हुए कहा कि पेपर लीक से परेशानी हमारे बच्चों को हो रही थी, इसमें कोई शक नहीं है। इतनी मेहनत से पढ़ाई करने के बाद अगर पेपर लीक हो जाता है, तो छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है, पैसे खर्च करने पड़ते हैं और मानसिक तनाव भी

बहुत होता है। यह एक माफिया गैंग है, जिसकी जड़ें वर्षों से मजबूत होती गईं और अब तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा लाया जा रहा कड़ा कानून बहुत अच्छा कदम है। इसमें 10 करोड़ रुपए तक का जुर्माना और 5 से 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही परीक्षाओं के आयोजन की बेहतर व्यवस्था भी की गई है। नंदन नीलेकणि को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में बच्चों को ऐसी कोई परेशानी नहीं होगी। जो होता है, अच्छे के लिए होता है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर किरण चौधरी ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के कंधों पर चलता है। सरकार इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

उन्होंने सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि धारा 370 हटा दी गई, राम मंदिर बन गया, यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने की प्रक्रिया चल रही है। पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) को नए सिरे से बदला गया है ताकि अपराधियों पर तेजी से अंकुश लगाया जा सके। सरकार छात्रों के हित को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

कन्नड़ समाज के भगवान सत्यनारायण व्रत एवं पूजा महोत्सव में मुख्य अतिथि बने भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में कन्नड़ समाज द्वारा श्रद्धा, भक्ति एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित भगवान सत्यनारायण व्रत एवं पूजा महोत्सव में भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम के जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से भगवान सत्यनारायण की पूजा-अर्चना कर गुरुग्राम सहित समस्त प्रदेश एवं देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अपने संबोधन में सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि भगवान सत्यनारायण की पूजा सत्य, सेवा, श्रद्धा और सदाचार का संदेश देती है। सनातन संस्कृति के ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन परंपरा 'विविधता में एकता' का अद्भुत उदाहरण है जहां विभिन्न प्रदेशों की सांस्कृतिक परंपराएं पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं। उन्होंने कन्नड़ समाज की सराहना करते हुए कहा कि समाज द्वारा अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन करना अत्यंत प्रेरणादायी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कारों और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सदैव भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने वाले प्रत्येक सकारात्मक प्रयास के साथ खड़ी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाज के गणमान्य लोगों ने जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सोने और चांदी के दाम में भारी गिरावट

सोना 710 रुपए गिरकर 1,42,353, चांदी लगभग 2.18 लाख रुपए प्र ति किलो

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति बैठक के नतीजों की आशंका से निवेशक सतर्क हो गए हैं। इसका सीधा असर मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों पर देखने को मिला, जहां वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन बहुमूल्य धातुओं में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की यह सतर्कता मुख्य रूप से फेड रिजर्व द्वारा भविष्य में ब्याज दरों को लेकर लिए जाने वाले संभावित निर्णयों से उपजी है। आमतौर पर, जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो सोने जैसी बिना ब्याज वाली संपत्तियों की अपील कम हो जाती है, क्योंकि निवेशक उच्च रिटर्न देने वाली अन्य परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 4,100 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसलकर 4,050 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है। मंगलवार सुबह यह 4,083 डॉलर पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 4,077 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने तक सोना 28.30 डॉलर की गिरावट के साथ 4,048.70 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज किया गया। इसी तरह, चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे गिरकर लगभग 57.50 डॉलर पर आ गई। कॉमेक्स पर चांदी 58.74 डॉलर पर खुली थी और वर्तमान में 1.14 डॉलर की गिरावट के साथ 57.57 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी कीमती धातुओं में तेज गिरावट देखी गई। सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 710 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,353 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,43,063 रुपये था। खबर लिखे जाने तक, यह कॉन्ट्रैक्ट 863 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,200 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 618 रुपये की गिरावट के साथ 2,20,555 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 2,21,173 रुपये था। वर्तमान में, चांदी 3,097 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 2,18,076 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर लिए जाने वाले संभावित फैसलों का सीधा असर सोने और चांदी जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्तियों पर पड़ेगा, जिससे निवेशक कोई जोखिम लेने से बच रहे हैं।

राज्य सरकारों को अगले 5 साल में देना होगा 24 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान- रिपोर्ट

एक रिपोर्ट के मुता बिक वित्त वर्ष 2028-32 के दौरान परिपक्व होंगी 24 लाख करोड़ की प्रतिभूतियां

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट में चेताया गया है कि भारतीय राज्य सरकारों को आगामी पांच वित्तीय वर्षों (वित्त वर्ष 2028-32) में लगभग 24 लाख करोड़ रुपये की राज्य सरकार प्रतिभूतियों (एसजीएस) का पुनर्भुगतान करना होगा। यह पिछली अवधि की तुलना में 1.7 गुना अधिक है, जो राज्यों पर एक बड़ा वित्तीय बोझ डालेगा। इक्रा के अनुसार 31 मार्च तक कुल 73 लाख करोड़ रुपये के बकाया एसजीएस स्टॉक में से यह राशि चुकानी होगी। इस बड़ी परिपक्वता के चलते अगले पांच वर्षों में एसजीएस जारी करने की दर अधिक रहने की उम्मीद है। राज्यों में, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात इस पुनर्भुगतान का 44 फीसदी वहन करेंगे, जिसमें से प्रत्येक राज्य को 2.1 से 3.1 लाख करोड़ रुपये चुकाने होंगे। आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान और पश्चिम बंगाल को भी 1 से 2 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा, जो कुल का एक तिहाई होगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद से ब्रेंट 85 डॉलर के नीचे फिसला

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। लगातार दूसरे दिन दोनों पक्षों की ओर से हमलों में विराम और बातचीत की संभावना जताए जाने से निवेशकों की चिंताएं कम हुई हैं। खबर लिखे जाने तक, ब्रेंट क्रूड (अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट) 1.27 फीसदी गिरकर 84.78 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड (सितंबर कॉन्ट्रैक्ट) 1.48 फीसदी टूटकर 81.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 69.86 अंक, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 69.86 अंक नीचे आकर 76,765.92 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 अंक फिसलकर 23,985.35 पर बंद हुआ। आज मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में मिश्रित रुख देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही।

अन्य क्षेत्रों का प्रदर्शन भी मिला-जुला रहा, जिसमें निफ्टी आईटी बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी बढ़त रही। निफ्टी ऑटो भी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी फार्मा में तेजी रही। निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के अलव मेटल शेयर भी गिरे जबकि निफ्टी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। । निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मीडिया के शेयर नीचे आये।

निफ्टी में आज टीसीएस के शेयर उछले जबकि टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया, सिप्ला , टाइटन और इंफोसिस भी ऊपर आये। वहीं, पहली तिमाही के परिणामों के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जिसके शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) , कोल इंडिया और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर भी गिरे। पिछले सत्र में जोरदार बढ़त के बाद मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर अनिश्चितताएं बाजार पर दबाव बना रहीं थीं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। अमेरिका-ईरान वार्ता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया, जिससे सेंसेक्स 141.32 अंक की बढ़त के साथ 76,977.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी50 31.90 अंक चढ़कर 24,027.85 के स्तर पर पहुंच गया।

गोल्ड लोन से बैंकों की कमाई बढ़ी

इंडियन ओवरसीज बैंक ने एक तिमाही में कमाए 863 करोड़

गोल्ड लोन का कारोबार 514 लाख करोड़ का

मुंबई, ।

देश में सोने के बदले दिए जाने वाले ऋण (गोल्ड लोन) की बढ़ती मांग का सीधा लाभ बैंकों को मिल रहा है। हाल के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इंडियन ओवरसीज बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।जिसमें गोल्ड लोन कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, वाणिज्यिक बैंकों का कुल गोल्ड लोन व्यवसाय लगभग 105 प्रतिशत बढ़कर 5.14 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की ऊंची कीमतों, आसान ऋण प्रक्रिया और अन्य ऋणों की तुलना में कम जोखिम के कारण गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के लोग भी अल्पकालिक वित्तीय जरूरतों के लिए गोल्ड लोन का सहारा ले रहे हैं। इससे बैंकों की ब्याज आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि यदि सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं।लोन की मांग में इसी तरह से वृद्धि जारी रहती है, तो आने वाली तिमाहियों में भी गोल्ड लोन बैंकों के लिए सबसे तेजी से कमाई करने वाला कारोबार होगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.78 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 35 पैसे की बढ़त के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.64 पर पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से भी भारतीय रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में डॉलर के मुकाबले 95.64 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को 54 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.99 पर बंद हुआ था। इससे पहले शुक्रवार को भी इसमें 20 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.31 पर रहा।

एचयूएल का पहली तिमाही का मुनाफा घटकर 2,680 करोड़ रहा, बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली।

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 3.17 प्रतिशत घटकर 2,680 करोड़ रुपए रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका मुनाफा 2,768 करोड़ रुपए था।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से राजस्व 10.26 प्रतिशत बढ़कर 17,149 करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले की समान तिमाही में 15,552 करोड़ रुपए था। एचयूएल ने अपने आय विवरण में कहा कि यह पिछले 13 तिमाहियों की सर्वाधिक वृद्धि है। इस दौरान अंडरलाइंग सेल्स ग्रोथ (यूएसजी) 10 प्रतिशत रही। कंपनी ने कहा कि अस्थिर कारोबारी माहौल के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में उसका ईबीआईटीडीए मार्जिन 23 प्रतिशत रहा, जो उसके अनुमानित दायरे के भीतर है।

अप्रैल-जून तिमाही में कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 3,947 करोड़ रुपए हो गई। आलोच्य तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 10 प्रतिशत बढ़कर 13,822 करोड़ रुपए हो गया। अन्य आय सहित कुल आय 9.84 प्रतिशत बढ़कर 17,529 करोड़ रुपए रही।

एमफे सिस एआई- ग्राहक के द्वार पर विशेषज्ञ इंजीनियर बदल रहा काम का तरीका

एआई डील पाइपलाइन में 70 फीसदी हिस्सेदारी, तेजी से बढ़ रहा कारोबार

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार फॉरवर्ड-डिप्लॉयड इंजीनियर मॉडल के तहत छोटी टीमें पहले एआई का फायदा दिखाती हैं, जिससे बड़े सौदों की राह आसान होती है। एआई डील पाइपलाइन में 70 फीसदी हिस्सेदारी, तेजी से बढ़ रहा कारोबार। एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही आईटी कंपनियों के कामकाज का तरीका भी तेजी से बदल रहा है। इसी कड़ी में प्रमुख आईटी सेवा प्रदाता एमफे सिस ने एआई परियोजनाओं को संभालने के लिए एक अभिनव रणनीति अपनाई है, जिसे फॉरवर्ड-डिप्लॉयड इंजीनियर मॉडल कहा जा रहा है। इस मॉडल के तहत, कंपनी 3 से 5 बेहद कुशल इंजीनियरों की छोटी टीमों को सीधे ग्राहकों के पास तैनात कर रही है, ताकि वे कम समय में एआई प्लेटफॉर्म से होने वाले वास्तविक व्यावसायिक लाभों का प्रदर्शन कर सकें और बड़े सौदों की नींव रख सकें। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि इस मॉडल में, विशेषज्ञ इंजीनियरों की छोटी टीम ग्राहक के साथ शुरुआती चरण में काम करती है। इनका मुख्य काम शुरुआत में पूरे सिस्टम में एआई लागू करना नहीं होता, बल्कि एक छोटे स्तर पर यह दिखाना होता है कि एआई से ग्राहक को तत्काल क्या फायदा हो सकता है। इन अनुभवी इंजीनियरों की सेवाओं के लिए कंपनी ज्यादा फीस लेती है। जब ग्राहक को इस दृष्टिकोण पर भरोसा हो जाता है और वह फायदे को समझ लेता है, तब एमफे सिस अपनी बड़ी टीम को तैनात कर पूरे कारोबार में एआई समाधानों को लागू करती है। यह मॉडल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एआई प्रोजेक्ट सामान्य आईटी प्रोजेक्ट से भिन्न होते हैं कई बार ग्राहकों को खुद नहीं पता होता कि एआई का सबसे प्रभावी उपयोग कहां किया जाए। ऐसे में, बड़ी टीम लगाने के बजाय, यह छोटी टीम ग्राहक की समस्या को समझती है, एक छोटा डेमो तैयार करती है और एआई से संभावित लाभों को स्पष्ट करती है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है और बड़े सौदों के अंतिम रूप लेने की संभावना भी अधिक हो जाती है। एमफे सिस के एआई कारोबार में इस रणनीति का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। जून तिमाही में कंपनी की 63 फीसदी नई डील एआई से संबंधित थीं।

एशियाई बाजारों में भारी गिरावट, कोस्पी 8.7 फीसदी लुढ़का

मुंबई ।

अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के चलते मंगलवार को एशियाई शेयर बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का प्रमुख कोस्पी इंडेक्स 8.70 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान के निक्केई 225 ने भी 4.21 फीसदी का गोता लगाया, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। कारोबार के दौरान, दक्षिण कोरियाई बेंचमार्क कोस्पी इंडेक्स में 8.70 फीसदी की भारी गिरावट आई, वहीं स्मॉल-कैप कोस्डैक इंडेक्स 3.63 फीसदी कमजोर हुआ। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 4.21 फीसदी नीचे रहा और टॉपिक्स इंडेक्स भी 0.63 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी और एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 0.38 फीसदी फिसल गया। शियाई बाजारों में यह दबाव सोमवार को वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई तेज बिकवाली के बाद आया। हालांकि, अमेरिकी बाजार मिला-जुला बंद हुए, जहां डॉव जोन्स 0.51 फीसदी ऊपर और एसएंडपी 500 मामूली 0.02 फीसदी बढ़कर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक 0.18 फीसदी गिरकर बंद हुआ था। अब निवेशक अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के आगामी तिमाही नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर की भविष्य की ग्रोथ पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

बाजार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि यह बिकवाली एक अस्थायी झटका है या कोई गहरा ट्रेंड है।

कृषि विकास में अनुसंधान का एक तिहाई योगदान- आईसीएआर रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 और 2025 के बीच भारतीय कृषि उत्पादन में हुई कुल बढ़ोतरी का एक तिहाई हिस्सा (लगभग 50,000 करोड़ रुपये) कृषि अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) की देन है। इस अवधि में कुल कृषि उत्पादन में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। आईसीएआर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने संस्थान के 98वें स्थापना दिवस पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण योगदान उच्च उपज वाले बीजों, उन्नत मशीनीकरण और बागवानी फसलों के लिए बेहतर जर्मप्लाज्म जैसी पहलों के माध्यम से संभव हुआ है। जाट के अनुसार, यह आंकड़ा मछली पालन और पशुधन सहित सभी क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि के मूल्य को जोड़कर निकाला गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फसल क्षेत्र में लगभग 60,000 करोड़ रुपये और बागवानी में 20,000 करोड़ रुपये का उत्पादन बढ़ा। वहीं, पशुधन उत्पादन में 50,000 करोड़ रुपये और मछली उत्पादन में 40,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य सृजित हुआ।

जाट ने स्पष्ट किया कि कुल वृद्धि के पीछे अनुसंधान व विकास के साथ-साथ सरकारी विकास कार्यक्रम और किसानों की कड़ी मेहनत का भी बराबर योगदान रहा, प्रत्येक का लगभग एक तिहाई हिस्सा।

सरकार और आरबीआई की मुहर, अब प्लास्टिक के होंगे 10 और 20 के नोट

नई दिल्ली ।

भारतीय करेंसी ने पिछले एक दशक में कई बड़े बदलाव देखे हैं, नोटबंदी से लेकर 2000 के नोटों की वापसी तक। अब इसी कड़ी में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और केंद्र सरकार ने 10 और 20 रुपये के नोटों को कागज की बजाय प्लास्टिक (पॉलिमर) में छापने पर सहमति जता दी है। यह कदम नोटों की जीवन अवधि बढ़ाने, उन्हें साफ रखने और बेहतर सुरक्षा फीचर्स से लैस करने की दिशा में देखा जा रहा है, क्योंकि प्लास्टिक के नोट कागज के मुकाबले ज्यादा टिकाऊ होते हैं। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट, 1934 की धारा 25 के तहत एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था, जिसमें 10 और 20 रुपये के 1 अरब पॉलिमर नोट ट्रायल बेसिस पर छापने का सुझाव दिया गया था। सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो भविष्य में इन्हीं प्लास्टिक नोटों को चलन में रखा जा सकता है, जिससे बार-बार नोट छापने की लागत और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सकेगा। भले ही करेंसी नोटों को जारी करने का अधिकार आरबीआई के पास होता है, लेकिन वह अपनी मर्जी से जितने चाहे नोट नहीं छाप सकता। इसके लिए आरबीआई का केंद्रीय बोर्ड पहले नोट छापने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजता है और सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही उस पर अमल किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि देश की मुद्रा प्रणाली में कोई भी बड़ा बदलाव सरकार और केंद्रीय बैंक के बीच पूर्ण सहमति और समन्वय से हो।

चैटजीपीटी अब समझेगा आपकी सेहत का राज! एप्पल हेल्थ डेटा से जुड़ेगा नया फीचर

चैटजीपीटी देगा व्यक्तिगत सला; प्राइवेसी का भी रखा गया है पूरा ध्यान

मुंबई ।

ओपनएआई ने अपने लोकप्रिय एआई चैटबॉट, चैटजीपीटी में एक महत्वपूर्ण हेल्थ फीचर पेश किया है। अब उपयोगकर्ता अपने एप्पल हेल्थ डेटा और समर्थित मेडिकल रिकॉड्र्स को चैटजीपीटी से जोड़ पाएंगे, जिससे एआई आपकी स्वास्थ्य जानकारी को समझकर अधिक सटीक और व्यक्तिगत जवाब दे सकेगा। यह सुविधा फिलहाल अमेरिका में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लॉग-इन यूजर्स के लिए वेब और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। यह नया फीचर यूजर की जटिल मेडिकल रिपोट्र्स, जैसे लैब रिपोर्ट या ब्लड टेस्ट के नतीजों को सरल भाषा में समझाएगा। साथ ही, यह पुरानी रिपोट्र्स से तुलना कर बदलाव बताएगा और डॉक्टर से परामर्श से पहले महत्वपूर्ण सवाल सुझाने में भी मदद करेगा। उपयोगकर्ता की अनुमति से चैटजीपीटी दवाइयों, एलर्जी, मेडिकल विजिट, लैब रिपोर्ट, नींद और दैनिक गतिविधियों जैसी जानकारी का विश्लेषण कर व्यक्तिगत सलाह देगा। इससे हर बार हेल्थ हिस्ट्री बताने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फीचर चैट में एट द रेट हैल्थ कमांड के जरिए काम करेगा और सिर्फ रिपोट्र्स समझाने तक सीमित नहीं है, बल्कि फूड एलर्जी, डाइट प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए खानपान के सुझाव और बेहतर हेल्थ रूटीन बनाने में भी सहायक होगा।

टाटा संस ने 18 अगस्त को बुलाई एजीएम, नेतृत्व और कोरम पर सस्पेंस

चेयरमैन चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल पर सबकी निगाहें

नई दिल्ली।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस 18 अगस्त को अपनी 108वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) बुला रही है। 100 साल से अधिक के इतिहास में यह पहली बार है जब बैठक असाधारण परिस्थितियों में हो रही है। कोरम की अनिश्चितता और चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल का प्रस्ताव बैठक के केंद्र में हैं। एजीएम का मुख्य एजेंडा चंद्रशेखरन के निदेशक पद के रिन्यूअल का है। उनका कार्यकारी चेयरमैन के रूप में दूसरा कार्यकाल फरवरी 2027 तक है, लेकिन नेतृत्व पर सवाल हैं। टाटा ट्रस्ट्स (66 फीसदी हिस्सेदारी) ने पिछले वर्ष उनके कार्यकाल को पांच वर्ष बढ़ाने का समर्थन किया था, पर इस वर्ष ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने आपत्तियां उठाई हैं।

कंपनी की संभावित लिस्टिंग भी एक अन्य लंबित मुद्दा है। बैठक के कोरम को लेकर भी अनिश्चितता है, हालांकि कानूनी राय है कि एक शेयरधारक ट्रस्ट की गैर-मौजूदगी में भी बैठक हो सकती है। अगर 18 अगस्त को बॉम्बे हाउस स्थित टाटा संस मुख्यालय में प्रस्तावित एजीएम कोरम पूरा नहीं होने के कारण नहीं हो पाती है, तो टाटा ट्रस्ट्स, अन्य टाटा समूह की कंपनियों और शापूरजी पलोनजी समूह सहित सभी शेयरधारकों को मिलने वाला लाभांश प्रभावित होगा। टाटा संस का टाटा ट्रस्ट्स को दिया जाने वाला वार्षिक लाभांश उसके मुनाफे पर निर्भर करता है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने टाटा ट्रस्ट्स को करीब 1,731 करोड़ रुपये का लाभांश दिया था। टाटा ट्रस्ट्स मुख्य रूप से एक परोपकारी संस्था है।

क्रिप्टो लेनदेन पर सीबीडीटी की पैनी नजर

एक्सचेंजों को आयकर विभाग को देनी होगी विस्तृत जानकारी

मुंबई ।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन पर निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य से, सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण गाइडेंस नोट जारी किया है। इस नए निर्देश के तहत, सभी क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्रोकर और संबंधित मध्यस्थों को अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (वीडीए) के हर लेनदेन का ब्यौरा आयकर विभाग के साथ साझा करना अनिवार्य होगा। यह कदम संसद की स्थायी समिति की सिफारिश के बाद उठाया गया है। यह पहल ऑर्गनाइजेशन फॉर इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) द्वारा विकसित क्रिप्टो-एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुरूप है। इसका मुख्य उद्देश्य क्रिप्टो लेनदेन में पारदर्शिता लाना, वैश्विक टैक्स जानकारी के आदान-प्रदान को सुगम बनाना और आयकर विभाग को निवेशकों के रिटर्न में दी गई जानकारी का वास्तविक ट्रांजैक्शन से मिलान करने में मदद करना है, जिससे एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट की सटीकता बढ़ेगी। हालांकि, इस नए गाइडेंस से क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मौजूदा टैक्स नियमों में कोई बदलाव नहीं आया है। वीडीए से होने वाले लाभ पर 30 फीसदी की फ्लैट टैक्स दर यथावत रहेगी।

श्रद्धा,समर्पण और आत्मबोध का महापर्व-गुरु पूर्णिमा

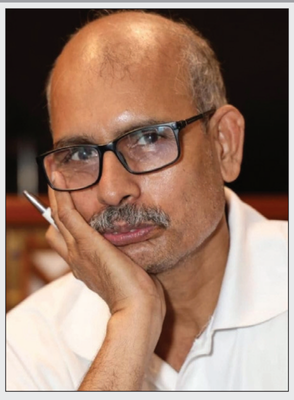

विनोद सिंह

गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

महर्षि वेदव्यास से उपनिषदों तक गुरु-शिष्य परम्परा का अमर आलोक...

भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण आध्यात्मिक वैभव यदि किसी एक सूत्र में पिरोया जा सकता है तो वह है-गुरु।सनातन परम्परा में गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चेतना का जागरण करने वाला वह दिव्य पुरुष है जो शिष्य के भीतर सुप्त ब्रह्मज्ञान को जागृत करता है।संसार में माता- पिता शरीर को जन्म देते हैं,किन्तु गुरु आत्मा का पुनर्जन्म कराते हैं।इसीलिए भारतीय दर्शन ने गुरु को देवताओं से भी उच्च स्थान प्रदान करते हुए उद्घोष किया -'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥' यह केवल स्तुति नहीं,बल्कि भारतीय अध्यात्म का शाश्वत सत्य है।गुरु ही वह सेतु हैं जो जीव को शिव से,जिज्ञासा को ज्ञान से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।गुरु पूर्णिमा उसी सनातन परम्परा के प्रति श्रद्धा,कृतज्ञता और समर्पण का महापर्व है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा भारतीय अध्यात्म में इसलिए भी अत्यंत पवित्र मानी गई है क्योंकि यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती है।भारतीय ज्ञान परम्परा उन्हें केवल महाकवि या ग्रन्थकार के रूप में नहीं,बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है।यदि वेदव्यास न होते तो सम्भवतः वेदों का विशाल ज्ञान सामान्य जन तक कभी व्यवस्थित रूप में नहीं पहुँच पाता।उन्होंने एक अखण्ड वैदिक ज्ञानधारा को चार वेदों-ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद -में व्यवस्थित किया।यही कारण है कि उन्हें 'वेदव्यास' की उपाधि प्राप्त हुई।महर्षि वेदव्यास ने केवल वेदों का विभाजन ही नहीं किया,बल्कि महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया तथा ब्रह्मसूत्र की रचना कर वेदान्त दर्शन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से उन्होंने भक्ति को ज्ञान और वैराग्य के साथ जोड़कर भारतीय अध्यात्म को नई दिशा दी।इसलिए गुरु पूर्णिमा वस्तुतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उस महर्षि को नमन करने का दिन है,जिन्होंने ज्ञान को सीमित वर्ग से निकालकर सम्पूर्ण मानवता की धरोहर बना दिया।भारतीय संस्कृति में ज्ञान कभी व्यापार नहीं रहा।वह सदैव साधना का विषय रहा है।यही कारण है कि यहाँ शिक्षा का प्रारम्भ 'विद्या' से होता है और उसका समापन 'ब्रह्मविद्या' पर। वेदों में ज्ञान का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं,बल्कि जीवन का आलोक है।ऋग्वेद का उद्घोष - 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएँ-भारतीय ज्ञान परम्परा की उदारता का प्रतीक है।वहीं यजुर्वेद का संदेश-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'-अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल-वस्तुतः गुरु की ही भूमिका का दार्शनिक प्रतिपादन है।उपनिषदों में गुरु का स्वरूप और भी विराट हो जाता है।वहाँ गुरु केवल उपदेशक नहीं,बल्कि सत्य का साक्षात अनुभव कराने वाले महापुरुष हैं। मुण्डकोपनिषद् स्पष्ट कहता है - 'तद्विज्ञानार्थंसगुरुमेवाभिगच्छेत।' अर्थात ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गुरु के पास ही जाना चाहिए।यह आदेश नहीं, बल्कि अनुभव का निष्कर्ष है। आत्मज्ञान पुस्तकों से नहीं, अनुभूति से प्राप्त होता है और अनुभूति का मार्ग गुरु ही दिखाते हैं।उपनिषदों के अनेक प्रसंग गुरु-शिष्य परम्परा की गरिमा को अमर बनाते हैं।कठोपनिषद् में नचिकेता का यमराज से संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं,बल्कि जिज्ञासा,धैर्य और सत्य की साधना का अनुपम उदाहरण है।छान्दोग्य उपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहते हैं 'तत्त्वमसि' अर्थात वही परम सत्य तुम स्वयं हो।यह केवल

दार्शनिक वाक्य नहीं,बल्कि आत्मबोध की पराकाष्ठा है।इसी प्रकार सत्यकाम जाबाल की सत्यनिष्ठा को देखकर ऋषि गौतम उन्हें शिष्य रूप में स्वीकार करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय गुरु परम्परा में जन्म नहीं,बल्कि सत्य और पात्रता का सम्मान था।गुरु और शिष्य का सम्बन्ध किसी अनुबंध पर नहीं,बल्कि श्रद्धा पर आधारित होता है।श्रद्धा वह भूमि है जहाँ ज्ञान का बीज अंकुरित होता है। सेवा उस बीज को पोषण देती है।समर्पण उसे वृक्ष बनाता है और साधना उसके फल को अमृत बना देती है।इसलिए भारतीय परम्परा में गुरु सेवा को साधना का अभिन्न अंग माना गया है।सेवा का अर्थ केवल शारीरिक श्रम नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य अपना अहंकार गुरु के चरणों में रख देता है,तभी उसके भीतर ज्ञान का उदय होता है।इसी कारण भारतीय दर्शन में कहा गया है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं,बल्कि अहंकार है।जिस पात्र में पहले से ही अपने ज्ञान का अभिमान भरा हो,उसमें गुरु नया ज्ञान कैसे भरेंगे? इसलिए गुरु के समीप पहुँचने से पहले शिष्य को अपने भीतर विनम्रता,संयम और श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करना पड़ता है।भारतीय गुरुकुल व्यवस्था इसी दर्शन पर आधारित थी।वहाँ शिक्षा केवल शास्त्रों का अध्ययन नहीं थी।शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर सेवा,अनुशासन, तप,संयम,आत्मसंयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अभ्यास करता था।ज्ञान जीवन का व्यवहार बनता था।शिक्षा का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था।इसीलिए उस व्यवस्था से निकले विद्यार्थी केवल विद्वान नहीं,बल्कि ऋषि,दार्शनिक,योद्धा, नीति-निमार्ता और लोकमंगल के साधक बने।भारतीय अध्यात्म में गुरु का सबसे बड़ा कार्य शिष्य को स्वयं से परिचित कराना है।संसार का प्रत्येक ज्ञान बाहर से प्राप्त किया जा सकता है,किन्तु आत्मज्ञान भीतर से ही प्रकट होता है।गुरु उस भीतरी द्वार को खोलते हैं जहाँ आत्मा का साक्षात्कार होता है।इसलिए संत कबीर ने अत्यन्त सरल किन्तु गहन शब्दों में कहा– 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥' कबीर का यह दोहा भारतीय त अध्यात्म का सार है।ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं।इसलिए गुरु का सम्मान व्यक्ति-पूजा नहीं,बल्कि ज्ञान-पूजा है।गुरु पूर्णिमा उसी ज्ञान-ज्योति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है,जिसने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को आलोकित रखा है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु की वंदना तक सीमित नहीं है,बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्रद्धा,सेवा, समर्पण और साधना- ये चार स्तम्भ गुरु-शिष्य संबंध की आधारशिला हैं।श्रद्धा के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता,सेवा के बिना विनम्रता नहीं आती,समर्पण के बिना अहंकार का क्षय नहीं होता और साधना के बिना आत्मबोध संभव नहीं है।यही कारण है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को केवल बौद्धिक उपलब्धि नहीं माना,बल्कि जीवन की तपश्चर्या का परिणाम बताया।भारतीय दर्शन में श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है।श्रद्धा सत्य को जानने की उत्कट इच्छा है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।'अर्थात श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान प्राप्त करता है।श्रद्धा वह प्रकाश है जो शिष्य को गुरु के वचनों का वास्तविक अर्थ समझने की पात्रता प्रदान करता है।जहाँ श्रद्धा समाप्त होती है,वहाँ शिक्षा सूचना बन जाती है; जहाँ श्रद्धा जीवित रहती है,वहीं शिक्षा आत्मबोध का माध्यम बनती है।सेवा भारतीय गुरु-परम्परा का दूसरा अनिवार्य आयाम है।गुरु की सेवा का तात्पर्य केवल उनके आश्रम या निवास की व्यवस्था करना नहीं था,बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना था।गुरु के प्रति विनम्रता, अनुशासन,संयम और कर्तव्यनिष्ठा ही वास्तविक सेवा मानी गई।सेवा शिष्य के भीतर छिपे अहंकार को गलाकर उसे ज्ञान ग्रहण करने योग्य बनाती है। भारतीय गुरुकुलों में यही कारण था कि राजकुमार और सामान्य परिवार का बालक समान रूप से आश्रम की सेवा करते थे।वहाँ पद,प्रतिष्ठा और संपत्ति का नहीं,बल्कि संस्कार और साधना का महत्व था।समर्पण गुरु-शिष्य परम्परा का तीसरा सोपान है।समर्पण का अर्थ अपनी बुद्धि का परित्याग नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य यह स्वीकार करता है कि सत्य उससे बड़ा है और गुरु उस सत्य के अनुभवी पथप्रदर्शक हैं,तभी उसके भीतर ज्ञान का वास्तविक उदय होता है।उपनिषदों के सभी महत्त्वपूर्ण संवाद इसी समर्पण की भूमि पर खड़े हैं।प्रश्न करना भारतीय परम्परा में वर्जित नहीं था,किन्तु प्रश्न के पीछे जिज्ञासा होनी चाहिए,अहंकार नहीं।यही कारण है कि उपनिषदों के संवाद आज भी विश्व की महानतम दार्शनिक धरोहर माने जाते हैं।साधना इन सबका चरम रूप है।साधना केवल जंगलों में तपस्या का नाम नहीं है।अपने विचारों को शुद्ध करना,इन्द्रियों पर संयम रखना, सत्य का पालन करना,करुणा का विस्तार करना और निरन्तर आत्मचिंतन करते रहना भी साधना है।गुरु शिष्य को बाहरी संसार से भागना नहीं सिखाते, बल्कि संसार के बीच रहते हुए स्वयं पर विजय प्राप्त करना सिखाते हैं।भारतीय अध्यात्म का यही वैशिष्ट्य है कि वह जीवन से पलायन नहीं,बल्कि जीवन का परिष्कार सिखाता है।सनातन परम्परा के महान आचार्यों-आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, 'मध्वाचार्य,निम्बाकार्चार्य, वल्लभाचार्य, रामानन्द,चैतन्य महाप्रभु,गुरु नानक देव,संत कबीर,संत रविदास,तुलसीदास और स्वामी विवेकानन्द-सभी ने अपने-अपने समय में गुरु परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की।युग बदलते रहे,परिस्थितियाँ बदलती रहीं,किन्तु गुरु का स्वरूप नहीं बदला।उन्होंने समाज को केवल धर्म नहीं दिया,बल्कि सत्य, करुणा,समानता और मानवता का मार्ग भी दिखाया।आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल तकनीक और त्वरित सूचना का युग है।ज्ञान के स्रोत पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं,किन्तु मनुष्य के भीतर शांति,संतुलन और आत्मविश्वास का संकट भी उतना ही गहरा हुआ है।सूचना का विस्तार हुआ है,परन्तु आत्मबोध का विस्तार नहीं हो पाया।ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।आधुनिक तकनीक हमें जानकारी दे सकती है,किन्तु विवेक नहीं,वह उत्तर दे सकती है,किन्तु जीवन का उद्देश्य नहीं बता सकती।यही कार्य गुरु करते हैं।गुरु मनुष्य को केवल सफल नहीं,बल्कि सार्थक बनाते हैं।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक गुरु होते हैं।माता-पिता प्रथम गुरु हैं, शिक्षक विद्या के गुरु हैं,प्रकृति मौन गुरु है,अनुभव जीवन का गुरु है और अंततः आत्मा स्वयं परम गुरु की ओर ले जाने वाला सेतु बन जाती है।इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु का स्वरूप सीमित नहीं,बल्कि विराट है।जहाँ कहीं से भी सत्य का प्रकाश प्राप्त हो,वही गुरु है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल औपचारिक कार्यक्रम या पुष्पांजलि तक सीमित न रखें।यदि हम वास्तव में इस पर्व का सम्मान करना चाहते हैं तो अपने जीवन में सत्य,अनुशासन, विनम्रता,सेवा,करुणा और आत्मसंयम को स्थान दें।यही महर्षि वेदव्यास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सम्मान भी।महर्षि वेदव्यास ने जिस ज्ञान-गंगा को प्रवाहित किया,वह आज भी उतनी ही निर्मल और प्रासंगिक है।वेदों का प्रकाश,उपनिषदों की अनुभूति, पुराणों की प्रेरणा और महाभारत का जीवन-दर्शन-इन सबका मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना है।गुरु पूर्णिमा उसी अमर परम्परा का स्मरण- पर्व है,हमें बताती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष है।अंततः गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : फूड फेस्टिवल में गोलीबारी, मची अफरा-तफरी, बच्चे समेत 4 लोग घायल

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल में रविवार रात हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत कम से कम चार लोग घायल हो गए। यह घटना स्पेस नीडल के पास स्थित एक कार्यक्रम स्थल में हुई। एक अस्पताल की प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने तुरंत इस घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी जारी नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से इस इलाके से दूर रहने की अपील की है। हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता सुसान ग्रेग ने बताया कि अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें एक छोटा बच्चा, 23 साल का एक युवक और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एक घायल की हालत गंभीर है। सिएटल सेंटर में पूरे सप्ताहांत बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल चल रहा था। एक चश्मदीद एस्टन वाकोनाबो ने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फेस्टिवल में फोटो बूथ के लिए लाइन में खड़े थे। तभी किसी ने उन्हें पीछे से धक्का दिया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो बड़ी संख्या में लोग भागते हुए नजर आए। वाकोनाबो ने कहा, लोग छिप रहे थे। एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। कई लोग जमीन पर गिर रहे थे और बच्चों की गाड़ियां भी गिर रही थीं।

बोस्निया के 5 पर्वतारोहियों की भीषण तूफान से मौत की आशंका

साराजेवो, एजेंसी। यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर आए भीषण तूफान में बोस्निया के पांच पर्वतारोहियों की मौत की आशंका है। बोस्नियाई पर्वतारोही बचाव सेवा ने रविवार को यह जानकारी दी। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि समूह के दो अन्य सदस्यों को सुरक्षित बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। अधिकारियों को 5,350 मीटर की ऊंचाई पर दो शव मिले हैं, जिन्हें मौसम ठीक होने पर नीचे लाया जाएगा। तीन अन्य शवों की तलाश जारी है। 5,642 मीटर ऊंचा माउंट एल्ब्रस अचानक बदलते खराब मौसम के लिए जाना जाता है। मीडिया के मुताबिक, सात सदस्यीय इस दल में एक दंपती और एक डॉक्टर भी शामिल थे।

अंतरिक्ष कचरे की निगरानी के लिए चीन ने शुरू किया वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क का प्रक्षेपण

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अंतरिक्ष कचरे की निगरानी और चौबीसों घंटे सभी कक्षाओं में लक्ष्यों का पता लगाने के लिए अपने पहले वाणिज्यिक उपग्रह नेटवर्क गैंडे कॉन्स्टलेशन का प्रक्षेपण शुरू कर दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कंप्यूटर से लैस इस 120 उपग्रहों वाले नेटवर्क का पहला उपग्रह शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी चीन से लिजियान-1 वाणिज्यिक रॉकेट के जरिये छोड़ा गया। यह मिशन तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इसके 2030 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे चीन की अंतरिक्ष यातायात प्रबंधन क्षमता मजबूत होगी, टकराव से बचाव संभव होगा और उसके वाणिज्यिक व सैन्य अभियानों को सुरक्षा मिलेगी।

इमरान खान की रैली पर रोक, अदालत जाएगा पीटीआई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 5 अगस्त को लाहौर में रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह दिन इमरान खान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम का था। पीटीआई के महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा कि लाहौर के डिप्टी कमिश्नर ने शांतिपूर्ण सभा की अनुमति संबंधी आवेदन पर कोई जवाब नहीं दिया, जिसे अनुमति से इनकार माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब रैली की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। प्रेस वार्ता में पीटीआई नेताओं ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालिया हिंसा पर भी चिंता जताई। उनका दावा है कि विवादित शरणार्थी सीटों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान 100 से अधिक लोगों की मौत हुई।

क्यूबा की क्रांति समारोह में नहीं दिखे राउल कास्त्रो

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने रविवार को 26 जुलाई 1953 की ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की वर्षगांठ पर पारंपरिक समारोह आयोजित किया, लेकिन 95 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। पिछले तीन दशक में यह पहला अवसर है जब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उनकी गैरमौजूदगी पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। यह आयोजन फिदेल और राउल कास्त्रो द्वारा तत्कालीन तानाशाह फुल्गेंसियो बतिस्ता के खिलाफ मोनकाडा और कार्लोस मैनुअल डे सेस्पेडेस बैरकों पर 26 जुलाई 1953 को किए गए हमले की याद में किया जाता है।

मुझे गिरफ्तार नहीं करा पाएंगे: न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी पर बरसे नेतन्याहू

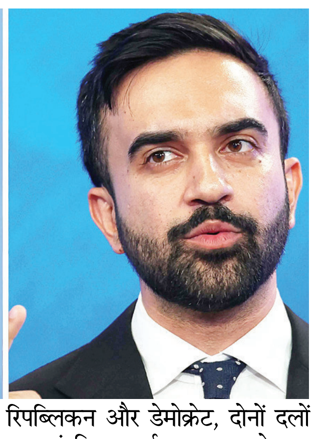

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। ममदानी ने कहा था कि यदि नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क आते हैं तो उन्हें युद्ध अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जरूर जाएंगे।

जोहरान ममदानी ने क्या कहा था : पिछले सप्ताह ममदानी ने कहा था कि न्यूयॉर्क सिटी के पास अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन उन्होंने संघीय सरकार से इसे लागू करने की अपील की थी। फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स विद मारिया बार्टिरोमो' में नेतन्याहू ने कहा, 'एक मेयर को सभी न्यूयॉर्कवासियों-यहूदियों, ईसाइयों, मुसलमानों और अन्य समुदायों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। लेकिन वह एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।'

इस्राइल-गाजा युद्ध को लेकर विवाद क्यों बढ़ा : गाजा में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर नेतन्याहू लगातार विवादों के केंद्र में रहे हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को हमास के लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इस्राइल पर किए गए घातक हमले के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान चलाया। बाद में ईरान के साथ संघर्ष और दक्षिणी लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ भी इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की।

आईसीसी के आरोपों पर नेतन्याहू ने क्या कहा : नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा लगाए गए युद्ध अपराधों के आरोपों को 'फर्जी' बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी के शीर्ष अभियोजक पर लगे यौन दुराचार के आरोपों और उनके पद से हटाए जाने के बाद यह स्पष्ट है कि गिरफ्तारी वारंट ध्यान भटकाने की कोशिश थी।

क्या अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला समर्थन कमजोर पड़ रहा : नेतन्याहू ने चिंता जताई कि अमेरिका में इस्राइल को मिलने वाला रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का पारंपरिक समर्थन अब कमजोर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रगतिशील और वामपंथी डेमोक्रेट नेताओं के कारण पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ रहे हैं।

अमेरिका में यहूदी समुदाय को लेकर क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में बढ़ती यहूदी विरोधी घटनाओं (एंटीसेमिटिज्म) पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, जहां दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी यहूदी आबादी रहती है, वहां के कई यहूदी स्वयं को असहज और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

ममदानी ने चुनाव प्रचार के दौरान क्या वादा किया था : मेयर चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने कहा था कि यदि वह चुने गए तो न्यूयॉर्क पुलिस को ढूष्ट के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का निर्देश देंगे। हालांकि, पिछले सप्ताह उन्होंने स्वीकार किया कि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है और उन्होंने संघीय सरकार से कार्रवाई करने की अपील की। ममदानी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि बेंजामिन नेतन्याहू का न्यूयॉर्क शहर में स्वागत नहीं है और न ही किसी ऐसे व्यक्ति का, जिस पर युद्ध अपराधों के आरोप हों।' उन्होंने यह भी कहा कि न्यूयॉर्क में विरोध प्रदर्शन की अभिव्यक्ति का हमेशा सम्मान किया जाएगा। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के दिवंगत नेता पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप लगाए हैं। वहीं, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इज़राइली सैन्य कार्रवाई में 73,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग आधी महिलाएं और बच्चे हैं। दूसरी ओर, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के शुरुआती हमले में लगभग 1,200 लोग, जिनमें अधिकांश आम नागरिक थे, मारे गए थे।

क्या ट्रंप ने नेतन्याहू को गिरफ्तारी से सुरक्षा का भरोसा दिया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी भी परिस्थिति में बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के साथ संदेशों का आदान-प्रदान जारी : ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान और कतर सहित कुछ मध्यस्थ देशों के जरिए ईरान के साथ संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ईरानी मीडिया ने ऑस्ट्रियाई प्रसारक ओआरएफ को दिए गए उनके इंटरव्यू के हवाले से यह जानकारी दी। इस्माइल बघाई ने इंटरव्यू में कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत के लिए पहले 'उचित माहौल' तैयार होना चाहिए। उनका कहना था कि अमेरिका ने ऐसा माहौल खुद ही नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने अमेरिका पर ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौता ज्ञापन की सभी शर्तों का व्यवहार में उल्लंघन करने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा कि इस समय ईरान की प्राथमिकता अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना तथा अपने लोगों को उन युद्ध अपराधों से बचाना है, जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए जा रहे हैं। 18 जून को हुए समझौते के तहत अमेरिका और ईरान को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत करनी थी। हालांकि, पिछले दो सप्ताह में दोनों देशों के बीच तनाव और झड़पें बढ़ने के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में उन्होंने अपनी सरकार की इस नीति को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'वे इस समय हमसे बात कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे अभी इसके लिए तैयार हैं। अभी सही समय नहीं है। लेकिन मैं उनकी बात सुनने को तैयार हूं।' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका, ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते कि वॉशिंगटन डीसी, हमारे अन्य शहर, इजरायल या पूरा मध्य पूर्व किसी परमाणु हथियार से तबाह हो जाए।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान की सैन्य क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को बहुत कड़ा झटका दिया है।' ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी हैं और 250 विमान, 159 नौकाएं, रडार सिस्टम तथा अपनी ड्रोन क्षमता का बड़ा हिस्सा खो दिया है।

पाकिस्तान में तड़प-तड़पकर मर रहे लोग; आईसीयू में जगह नहीं, वेंटिलेटर की भारी कमी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। देश की राजधानी इस्लामाबाद के सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की भारी किल्लत हो गई है। इसकी वजह से चिकित्सा सेवा पूरी तरह चरमरा गई है। आईसीयू लगातार फुल है और गंभीर स्थिति वाले मरीजों को भी वेंटीलेटर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

ऐसे में इंतजार के दौरान ही कई लोगों की तड़प तड़पकर मौत हो जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार आबिद रजा काजमी की मौत के बाद यह संकट एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। जानकारी के मुताबिक स्ट्रोक आने के बाद डॉक्टरों ने काजमी को वेंटिलेटर पर रखने की सलाह दी थी। हालांकि पीआईएमएस में आईसीयू के सभी 12 वेंटिलेटर फुल थे। परिजन जब तक उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल शिफ्ट करते, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया। पाकिस्तानी न्यूजपेपर डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद के दो सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों, क्लीनिक्स और पॉलीक्लिनिक अस्पताल की हालत बेहद खस्ता है। PIMS के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. राणा इमरान सिकंदर ने बताया है कि अस्पताल के अलग-अलग आईसीयू में 90 से ज्यादा वेंटिलेटर हैं, लेकिन लगभग 100 फीसदी वेंटिलेटर हमेशा भरे रहते हैं। अस्पताल के प्रवक्ता डॉ. अब्दुल जब्बार भुट्टो के मुताबिक यहां भी सभी 35 वेंटिलेटर लगातार ऑक्यूपाइड रहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक इस संकट के पीछे कई बड़े कारण हैं। PIMS अस्पताल का निर्माण तब हुआ था जब इस्लामाबाद की आबादी मात्र 5 लाख थी। आज यह अस्पताल देशभर के लगभग 50 लाख लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर रहा है। इसके अलावा निजी अस्पतालों में आईसीयू का खर्च 3 लाख रुपये प्रति दिन तक पहुंच गया है। इस भारी भरकम खर्च की वजह से बड़ी संख्या में लोग आज भी सरकारी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर हैं। इसके अलावा अस्पतालों का कहना है कि सिर्फ मशीनें बढ़ा देने से समस्या हल नहीं होगी।

होर्मुज स्ट्रेट में बड़ा हादसा! समुद्री माइन से टकराने के बाद ऑयल टैंकर में विस्फोट, मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। रविवार को ईरानी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग (Sea Mine) से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज कथित तौर पर ईरान द्वारा निर्धारित शिपिंग रूट से हट गया था, जिसके बाद यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि टैंकर ने निर्धारित समुद्री मार्ग का पालन नहीं किया और इसी दौरान वह बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया। हालांकि, अभी तक जहाज के मालिक, उसके गंतव्य, चालक दल की स्थिति या नुकसान की वास्तविक सीमा को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है असर : यह घटना दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस तरह की किसी भी घटना का असर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा बाजारों पर पड़ सकता है। फिलहाल इस घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है।

इस बीच ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमीनिया ने कहा कि पिछले दो दिनों से अमेरिका की ओर से ईरानी ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। ऐसे में ईरान ने भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई को फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान की रणनीति हमेशा जवाबी कार्रवाई की रही है। जब अमेरिका ने हमले बंद किए, तो ईरान ने भी अपने सैन्य अभियान रोक दिए।

क्या फिर खुलेगा बातचीत का रास्ता : ईरान के इस फैसले के बाद दोनों देशों के बीच एक बार फिर कूटनीतिक बातचीत शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, दोनों देशों की सेनाएं अभी भी पूरी तरह सतर्क हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल अमेरिका ने भी ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान पर रोक लगा रखी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई फिलहाल होल्ड पर है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चेतावनी दे चुके हैं कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका पहले से कहीं अधिक बड़े स्तर पर हमला करने से पीछे नहीं हटेगा। वहीं, द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे की सैन्य कार्रवाई टालने की एक वजह अमेरिकी रक्षा प्रणाली, विशेष रूप से पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों के सीमित भंडार को भी माना जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि व्हाइट हाउस किसी बड़े युद्ध के आर्थिक और रणनीतिक प्रभावों का भी आकलन कर रहा है।

ईरान ने दी दोबारा जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : हालांकि फिलहाल हालात कुछ शांत दिखाई दे रहे हैं, लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि अमेरिका दोबारा उसके ठिकानों पर हमले शुरू करता है, तो वह भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करेगा। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

रूस ने रद्द की सेंट पीटर्सबर्ग नेवी डे परेड, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के डर से पुतिन का बड़ा फैसला, इंटरनेट भी ठप

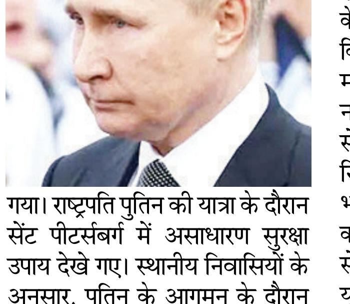

सेंट पीटर्सबर्ग , एजेंसी। रूस ने सुरक्षा कारणों और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित होने वाली अपनी भव्य 'नेवी डे परेड' को लगातार दूसरे साल रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस अवसर पर मुख्य परेड में शामिल होने के बजाय नौसेना मुख्यालय 'एडमिरल्टी' में नाविकों को संबोधित किया।

नेवी डे रूस का एक प्रमुख राष्ट्रीय अवकाश है, जिसे जुलाई के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। साल 2017 के बाद से ही इस दिन बाल्टिक, काला सागर और प्रशांत बेड़े के युद्धपोतों का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलता था, लेकिन इस बार सुरक्षा के नाम पर समारोहों को बेहद सीमित रखा गया। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग में असाधारण सुरक्षा उपाय देखे गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुतिन के आगमन के दौरान शहर के बड़े हिस्से में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन की बढ़ती डीप-स्ट्राइक क्षमता, यानी रूस के भीतर गहराई तक हमला करने की ताकत ने क्रेमलिन को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस साल परेड के लिए कोई सैन्य आदेश जारी ही नहीं किए गए थे, क्योंकि अधिकारियों का मानना था कि यह इसके लिए सही समय नहीं है। सेंट पीटर्सबर्ग, यूक्रेन की सीमा से लगभग 1,100 किलोमीटर दूर स्थित है और राष्ट्रपति पुतिन का गृहनगर भी है। ऐतिहासिक रूप से यह शहर रूस की सबसे मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों से घिरा रहा है, लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेनी ड्रोनों ने इस सुरक्षा कवच में सेंध लगाई है। जून में आर्थिक फोरम के दौरान यहां के एक ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला हुआ था, वहीं हाल ही में 24 जुलाई को 'वाइल्डबेरीज' के गोदामों को निशाना बनाया गया, जिससे शहर के पुल्कोवो एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा था। परेड का रद्द होना पुतिन के उस प्रचार अभियान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसके जरिए वे रूस की सैन्य श्रेष्ठता प्रदर्शित करते रहे हैं। इससे पहले मई में मॉस्को की 'विक्ट्री डे परेड' को भी सुरक्षा कारणों से काफी छोटा कर दिया गया था। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हाल ही में घोषणा की है कि उनके पास रूस के भीतर हमला करने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक की रेंज वाले हथियारों की नई सूची तैयार है। फिलहाल, रूस अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों को यूक्रेनी ड्रोनों से बचाने की चुनौती से जूझ रहा है।

रूस को नाटो का करारा जवाब! रोमानिया ने एफ-16 से मार गिराया रूसी ड्रोन, 3 दिन में तीसरी घुसपैठ

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध की आंच अब पड़ोसी नाटो देशों तक पहुंचने लगी है। नाटो सदस्य देश रोमानिया ने रविवार को अपने हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक संदिग्ध रूसी ड्रोन को मार गिराया। रोमानियाई वायुसेना ने इस कार्रवाई के लिए अपने आधुनिक एफ-16 फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया।

चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले तीन दिनों के भीतर रोमानियाई सीमा में घुसपैठ की यह तीसरी बड़ी घटना है, जिसने पूर्वी यूरोप में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 10:13 बजे की है। रोमानिया के समुद्री क्षेत्र के ऊपर, विशेष रूप से सुलिना-चिलिया इलाके में एक अज्ञात ड्रोन देखा गया था। नाटो के ऑपरेशनल कमांड के निर्देश पर फेतेस्टी एयरबेस से तत्काल दो एफ-16 फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी और काला सागर के ऊपर इस ड्रोन को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

प्रारंभिक जांच में अधिकारियों को पता चला है कि नष्ट किया गया ड्रोन शहेद प्रकार का था, जिसका इस्तेमाल रूसी सेना यूक्रेन के खिलाफ हमलों में बड़े पैमाने पर कर रही है। नाटो के सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोपके प्रवक्ता कर्नल मार्टिन ओ'डोनेल ने पुष्टि की कि यह हाल के समय में चौथी ऐसी घटना है जहां रोमानिया ने नाटो हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया है। रूस के बढ़ते ड्रोन खतरों से निपटने के लिए रोमानिया ने अपनी सुरक्षा को और मजबूत किया है। देश ने हाल ही में 'मेरोप्स' काउंटर-ड्रोन सिस्टम हासिल किया है। यह अत्याधुनिक प्रणाली तीन-फ़ीट लंबे सस्ते ड्रोन फायर करके आने वाले शहेद जैसे घातक ड्रोनों को हवा में ही ढेर करने में सक्षम है।

इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता : रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने रूसी फेडरेशन की इन हरकतों पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि रोमानिया के हवाई क्षेत्र का बार-बार उल्लंघन मंजूर करने लायक नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि मई में भी एक रूसी ड्रोन रास्ता भटककर पूर्वी रोमानिया की एक रिहायशी इमारत से टकरा गया था, जिसमें दो लोग घायल हुए थे। इस संकट की घड़ी में नाटो के अन्य सदस्य देश भी रोमानिया के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। बेल्जियम ने रूसी घुसपैठ को यूरोपीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताते हुए रोमानिया के साथ अपनी मजबूती जाहिर की है। वर्तमान में, नाटो की पूर्वी सीमा की सुरक्षा के लिए बेल्जियम के 300 सैनिक रोमानिया में तैनात हैं।

बर्लिन प्राइड परेड पर जानलेवा हमला, एक की मौत कई घायल; संदिग्ध भी मारा गया

बर्लिन, एजेंसी। बर्लिन प्राइड' पर हुए जानलेवा हमले के संदिग्ध को रविवार को शहर के बाहरी इलाके में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली मारकर मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 29 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बर्लिन के मध्य क्षेत्र में हुए हमले के बाद लगभग 24 घंटे तक चली तलाश के उपरांत लेबनानी मूल के जर्मन नागरिक अब्दुल बल्लूट को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला।

आईएस में शामिल होने की कर चुका था कोशिश : बर्लिन प्राइड हमले का संदिग्ध व्यक्ति पहले इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह में शामिल होने की कोशिश कर चुका था। जर्मनी के अभियोजकों ने रविवार को यह कहा। अधिकारियों ने एक 'वॉन्टेड' नोटिस जारी किया और लोगों को चेतावनी दी कि वे लेबनानी अब्दुल बल्लूट के पास न जाएं, क्योंकि वह हथियारबंद और खतरनाक हो सकता है। बल्लूट जर्मन नागरिक है और उसकी जड़ें लेबनान से जुड़ी हैं। उस पर आरोप है कि शनिवार रात प्राइड के समापन संगीत कार्यक्रम के पास उसने एक वैन भीड़ में घुसा दी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद उसने कथित तौर पर एक धारदार हथियार से कई और लोगों पर हमला किया।

गृह मंत्री ने क्या बताया : गृह मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कहाकि यहां हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उससे यही संकेत मिलता है कि हम एक इस्लामी आतंकी हमले से निपट रहे हैं। डोब्रिंट ने घायलों की कुल संख्या 29 बताई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति पहले भी कई अपराधों में शामिल होने के कारण अधिकारियों की नजर में था, हालांकि उन्होंने उन अपराधों का विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वह जर्मनी की राजधानी में कट्टरपंथी और इस्लामी चरमपंथी समूहों से जुड़े होने के कारण भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर में था।

लोगों को मिली सलाह : डोब्रिंट ने कहाकि संदिग्ध व्यक्ति को अतीत में बर्लिन में दोषी ठहराया गया था, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उसे किस मामले में दोषी ठहराया गया था। संदिग्ध की तलाश के लिए पुलिस ने शहर में अभियान चलाया। इसमें रविवार तड़के बर्लिन के श्योनेबर्ग प्रांत में एक अपार्टमेंट की तलाशी भी ली गई, लेकिन पुलिस ने बताया कि वहां कोई नहीं मिला। इस बीच चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शनिवार को हुए घातक हमले के बाद जर्मनी के लोगों से कहाकि वे समाज में आपसी फूट और डर का माहौल पैदा करने वाली बातों से बचें।

परेड में घुस गई वैन : इससे पहले पुलिस ने कहा था कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों से घटनास्थल तुरंत खाली करने की अपील की, ताकि एंबुलेंस और दमकल कर्मी राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे एक सफेद रंग की वैन टियरगार्टन पार्क में घुस गई। यह पार्क उस मार्ग के पास है, जहां से कुछ समय पहले 'प्राइड मार्च' गुजरा था। वैन ने कई लोगों को टक्कर मारी और बाद में एक पेड़ से जा टकराई। बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहाकि यह हमारे स्वतंत्र और उदार समाज पर हमला है। मुझे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों पर पूरा भरोसा है कि वे चौबीसों घंटे काम कर इस मामले की जांच करेंगी। इस बीच, अधिकारियों ने घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से आगे आने और उनके पास मौजूद वीडियो या तस्वीरें पुलिस को उपलब्ध कराने की अपील की। जर्मनी में 'क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे' के नाम से आयोजित होने वाली बर्लिन की 'प्राइड परेड' में शनिवार को भाग लेने के लिए लाखों लोग पहुंचे थे। यह यूरोप के सबसे बड़े 'एलजीबीटीक्यू प्लस' आयोजनों में से एक है।

क्या आप भी सुबह खाली पेट पीते हैं चाय? हो जाएं सावधान

भारतीय घरों में लोग ज्यादातर अपने दिन की शुरुआत चाय के साथ करना पसंद करते हैं। शायद उनकी यह सोच बन चुकी है कि सुबह-सुबह चाय पिए बगैर उनकी आंख नहीं खुलती। मगर शायद आप नहीं जानते कि आपकी यह सोच आपको धीरे-धीरे बीमार करती जा रही है। आज हम बात करेंगे सुबह के वक्त दूध वाली चाय पीने के नुकसान और साथ ही जानेंगे दूध वाली चाय की जगह आप किस तरह से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं...

एसिडिटी

यदि आप खाली पेट चाय पीते हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती हैं। गर्म चाय का सेवन एसिडिटी पैदा करता है और खाने को पचाने वाले रसों पर बुरा प्रभाव डालता है।

कब्ज

कई लोग समझते हैं कि सुबह उठकर चाय पीने से पेट साफ होता है। मगर चाय पीने से पेट साफ नहीं बल्कि पेट की आंते कमजोर होती हैं, जिससे आप कब्ज के शिकार होते हैं।

कैंसर

सुबह-सुबह दूध वाली मीठी चाय पीने से आप कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में भी आ सकते हैं।

मूड-खराब

चाय पीने से एसिडिटी बनती है, जिस वजह से आप सारा दिन गुस्से में और चिड़चिड़े बने रहते हैं।

वजन बढ़ना

खाली पेट दूध वाली मीठी चाय पीने से आपका वजन भी बढ़ता है, जिस वजह से आप एक्टिव होने की बजाय सुस्त महसूस करने लगते हैं।

अल्सर का खतरा

सुबह-सुबह चाय पीने से पेट में जख्म होने लगते हैं, जिसे डॉक्टरी भाषा में अल्सर का नाम दिया जाता है। तो ये थे सुबह खाली पेट चाय पीने के नुकसान, अब बात करेंगे सुबह उठकर आपको कौन सी चाय पीनी चाहिए।

ग्रीन-टी

सुबह के वक्त ग्रीन-टी पीने से आप दिन भर एक्टिव फील करते हैं। ग्रीन-टी आपकी बॉडी के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। जो आपको डायबिटीज, कैंसर और हाई बीपी जैसी बीमारियों से बचाकर रखती है।

ब्लैक-टी

जो लोग दिन-भर घर से बाहर रहते हैं, उनके अंदर काफी हद तक धुआं और प्लयूशन जा चुका होता है। ऐसे में ब्लैक-टी पीने से धुएं के संपर्क की वजह से फेफड़ों को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। यह हार्ट-स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने का काम करती है।

लेमन-टी

दूध वाली चाय की जगह लेमन-टी पीएं। नींबू जहां आपकी बॉडी को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है वहीं आपको दिन भर एक्टिव रखने में भी मदद करता है। आप इसमें शहद डालकर चाय की गुणवत्ता को और भी बढ़ा सकते हैं।

सिंपल गुनगुना पानी

अगर आपको इनमें से कोई भी चाय नहीं पसंद तो आप दूध वाली चाय पीने की बजाय गुनगुने पानी में शहद मिलाकर दिन की शुरुआत करें।

जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बों की छुट्टी करेगा यह पैक

ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप बहुत कुछ करते होंगे पर क्या आपने कभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके देखा है? आज हम आपको एक ऐसा ही होममेड मास्क बताएंगे जो त्वचा को निखारने के साथ-साथ काले दाग-धब्बे, ब्लैकहेड्स, झाइयां और झुर्रियों जैसी समस्याओं को दूर करने में काफी असरदार है।

जरूर लगाएं सनस्क्रीन लोशन

सर्दी हो या गर्मी, धूप हमेशा ही स्किन को नुकसान पहुंचाती है। वहीं प्रदूषण, धूल-मिट्टी के कारण भी स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में घर से बाहर जाते समय बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। इस का का ध्यान रखें कि लोशन आपकी स्किन टाइप के हिसाब से हो। साथ ही बाहर जाने से कम से कम आधा घंटा पहले सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करें। इससे आपको इन सभी समस्याओं से बची रहेंगी।

चलिए अब हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताते हैं, जिससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं।

कितनी बार लगाएं?

हफ्ते में कम से कम 2-3 बार यह मास्क लगाएं। महीनेभर में ही आपकी झाइयों की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह मास्क जिद्दी दाग-धब्बों, पिंपल्स, झुर्रियों व डार्क सर्कल्स से भी छुटकारा दिलाएगा।

सामग्री

बेसन - 1 चम्मच

खीरे का रस - 1 चम्मच

बनाने का तरीका

बाउल में दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और ध्यान रखें कि इसमें गांठे ना बने। अगर पेस्ट गाढ़ा हो तो उसमें खीरे का रस थोड़ा-सा मिक्स कर लें।

इस्तेमाल करने का तरीका

- सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से क्लीन करें, ताकि सारी धूल मिट्टी निकल जाएं।
- अब इस मास्क को चेहरे पर अप्लाई करें और 30-35 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद हल्का-सा पानी लगाकर मसाज करें और पेस्ट को ताजे पानी से धो लें।
- अगर आप रात को सोने से पहले यह मास्क लगाएंगे तो आपको ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा।
- अब चेहरे पर क्रीम, लोशन या माइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन ड्राई ना हो।

रेसिपी

बेसन ब्रेड टोस्ट

सामग्री

■ 4 व्हाइट ब्रेड ■ 1 प्याज बारीक कटी हुई ■ 1 टमाटर बारीक कटा हुआ ■ 1 हरी मिर्च बारीक कटी ■ हरी धनिया बारीक कटी ■ 1/2 कप बेसन ■ 4 छोटे चम्मच तेल ■ नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन ब्रेड टोस्ट बनाने के लिए बाउल में बेसन, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के पत्ती, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवा गर्म होने के लिए रख दें और आंच मीडियम रखें। अब ब्रेड स्लाइस लेकर इसे बेस्ट के पेस्ट में डालें और फिर तवे पर रखें। दोनों तरफ थोड़ा-थोड़ा तेल डालें जिससे ब्रेड तवे पर चिपके नहीं। बहुत ज्यादा ब्राउन न करें सुनहरा रंग का हो जाएं तो उतार लें। बाकी टोस्ट को भी ऐसे ही बना लें। हरी चटनी और चाय के साथ परोसें।

बथुए का साग

सामग्री

■ बथुआ- 500 ग्राम, टमाटर- दो (बारीक कटे हुए), हरी प्याज- 100 ग्राम बारीक कटी हुई, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, जीरा- ½ चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डेन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग। जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5024

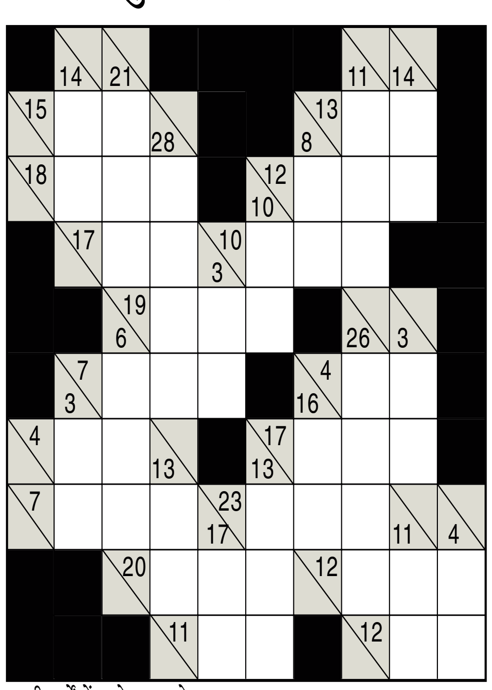

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

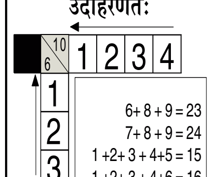

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5023 का हल

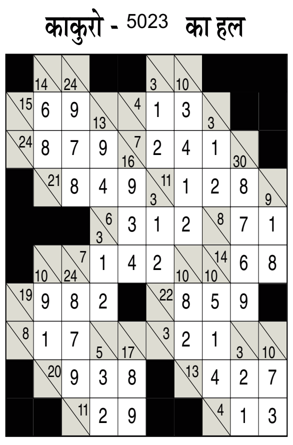

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर क चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5024

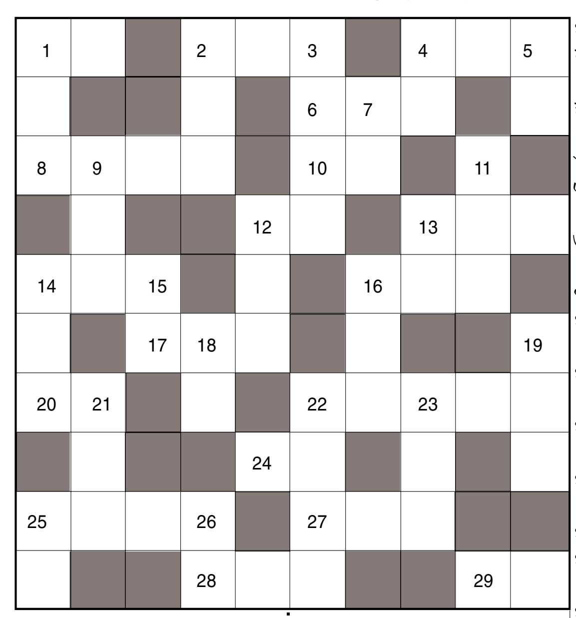

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

5024

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5023

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 5024

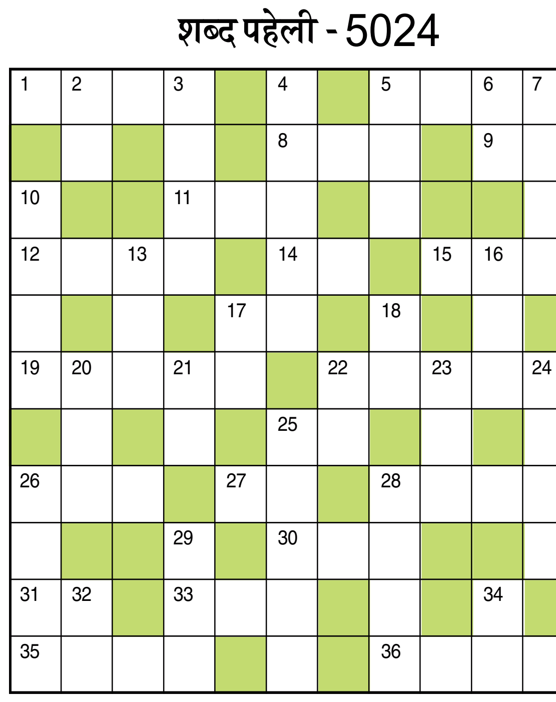

बाएँ से दाएँ

1. धरोहर,थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा,विश्वास-3
12. दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर,घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत,होशियारी-5
25. डूबा हुआ,समाप्त-2
26. तीक्ष्ण,तेज-3
27. अधर्म,अपकृत्य-2
28. मनमौजी,चंचल-4
30. हत्या,वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति,सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ,मरीज-3
6. दम,ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत,मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर,राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश,मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -5023 का हल

हर पौधे का संरक्षण सुनिश्चित कर साकार करें हरियालो राजस्थान– शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री

एजेंसी

जयपुर । प्रदेश के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप 'एक पेड़ मां के नाम : मिशन हरियालो राजस्थान' को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाते हुए निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक पौधे के संरक्षण और उसके जीवित रहने की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शासन सचिवालय स्थित पंचायतीराज विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री दिलावर ने वर्ष 2026-27 के पौधारोपण अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम : मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत वर्ष 2026 में 3.61 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। सभी विभाग आपसी समन्वय से निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। 31 अगस्त तक पौधारोपण पूरा करने और हर शनिवार 'नो बैग डे' पर विशेष अभियान के निर्देश– मंत्री दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी पौधारोपण कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने मानसून का अधिकतम लाभ उठाते हुए पौधारोपण स्थलों का समय पर चयन, गड्ढों की तैयारी तथा पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो।

असली और नकली देवी-देवताओं को लेकर हुए विवाद की हो निष्पक्ष जांच : आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने असली और नकली देवी-देवताओं को लेकर हुए विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि भ्रम से बचने और सनातन धर्म की गरिमा बनाए रखने के लिए तथ्यों के आधार पर सच्चाई सामने आनी चाहिए। हरिद्वार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (दूसरे गुट) की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंजाब से आए उदासीन नया अखाड़ा के साधु-संतों और अखाड़े की प्रबंध समिति के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के बाद परिषद के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि पंजाब से आए संतों का कहना है कि असली देवता उनके पास हैं, जबकि हरिद्वार स्थित अखाड़े में नकली देवताओं का स्नान कराया जा रहा है। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी जी महाराज (मंशा देवी के अध्यक्ष) ने आज यहां पर पेशी की। एक आचार्य होने के नाते सभी का भाव मेरे प्रति होता है। आज नया अखाड़ा उदासीन के कई सदस्य हमारे बीच आए।

संघ-भाजपा की समन्वय बैठक में संगठन-सरकार के बीच तालमेल पर जोर

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यहां हुई समन्वय बैठक आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन एवं सरकार के बीच बेहतर तालमेल को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि बैठक में संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। दोनों नेताओं ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही आगामी चुनावों को देखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को और सशक्त करने तथा सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

ब्रिक्स देशों का संस्कृति सम्मेलन 5 से 8 अगस्त तक भोपाल में

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन (ब्रिक्स कल्चरल ट्रैक मीटिंग) आगामी 5 से 8 अगस्त तक भोपाल में आयोजित होगा, इसमें ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। यह जानकारी सोमवार को भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में दी। इस अवसर पर उन्होंने तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं भारत की संस्कृति, गौरव एवं परम्परा के अनुरूप उत्कृष्ट हों।

उन्होंने माइक्रो प्लानिंग पर जोर देते हुए केन्द्र एवं राज्य शासन के सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इतिहास बैठक में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की संचालक प्रियंका चंद्र वीसी के माध्यम से मौजूद रही, जबकि कमिश्नर कार्यालय में भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरूण कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, पुरातत्व विभाग, संस्कृति विभाग, एमएचएआई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में पांच अगस्त को ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की बैठक भोपाल के मिंटो हॉल में होगी। सायंकाल सदस्यगण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। इसके अगले दिन 6 अगस्त को पुनः ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी, जबकि सायंकाल रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल में ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां होंगी।

हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति ने यूपी के शैक्षिक सुधारों और नवाचारों को बताया उपयोगी एवं अनुकरणीय

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था, शैक्षिक गुणवत्ता, अवस्थापना सुविधाओं और शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का अध्ययन करने के लिए हरियाणा विधानसभा की उच्चस्तरीय शिक्षा समिति लखनऊ पहुंची। समिति ने विधानसभा सभागार में विशेष सचिव उच्च शिक्षा निधि श्रीवास्तव सहित उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति के चेयरपर्सन लक्ष्मण सिंह यादव सहित समिति के अन्य सदस्यगण एवं अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार, डिजिटल व्यवस्था, शोध एवं

नवाचार को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। हरियाणा विधानसभा की समिति ने उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे इन प्रयासों की सराहना करते हुए प्रदेश की व्यवस्थाओं और नवाचारों को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया। बैठक में बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 24 राज्य विश्वविद्यालय, 56 निजी विश्वविद्यालय, एक डीम्ड विश्वविद्यालय और एक मुक्त विश्वविद्यालय के साथ-साथ 216 राजकीय महाविद्यालय, 330 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय तथा 7,526 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संचालित हैं। प्रदेश में स्थापित किए गए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य, सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के कुल 1,349 पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 46 महाविद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 से प्रवेश एवं अध्यापन कार्य प्रारंभ हो चुका है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और महाविद्यालयों में बेहतर प्रशासनिक नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी मंडलों में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना की गई है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (स्क्लष्ट) का गठन कर उसे पूरी तरह सक्रिय किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों के अनुरूप प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम तथा रोजगारपरक वोकेशनल वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सीएम विजय ने पटाखा फैक्ट्री विस्फोट हादसे पर जताया दुख, आर्थिक मदद की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विरुधुनगर जिले के शिवकाशी तालुक के सेंगामालापट्टी में 26 जुलाई की सुबह एक अवैध रूप से संचालित निजी आतिशबाजी इकाई में हुए पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में चार लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मृतकों की पहचान सेंगामालापट्टी निवासी आर. रामप्रकाश (32), आर.रामचंद्रन (40), इन्नासिमुथु (44) और नारानापुरम निवासी पंडितुराई (35) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री ने इस दुखद घटना के बारे में जानकर गहरा दुःख और पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने मृतक के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।उन्होंने निर्देश दिया है कि मुख्यमंत्री जन राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए दिए जाएं। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर को यह भी निर्देश दिया है कि वे बिना उचित अनुमति के या कानून का उल्लंघन करते हुए संचालित होने वाली किसी भी आतिशबाजी इकाई की पहचान करने के लिए गहन निरीक्षण करें और ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करें। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के पास रविवार को एक अवैध पटाखा गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। विस्फोट के बाद लगी भीषण आग और लगातार हुए धमाकों से पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

यह हादसा शिवकाशी तालुक के सेंगामलपट्टी गांव में हुआ, जहां एक अवैध गोदाम और निर्माण इकाई में कथित तौर पर पटाखे बनाने का काम चल रहा था।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी को डाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ की जगह लेने का आदेश दिया

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को अदालत के आदेशों की बार-बार अवहेलना करने के लिए हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के आयुक्त एवी रंगनाथ को तत्काल पद से हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अनिल कुमार जुकांति ने मुख्य सचिव संजय जाजू से हाइड्रा के प्रमुख के रूप में रंगनाथ के स्थान पर एक उपयुक्त अधिकारी की पहचान करने को कहा। हाई कोर्ट ने लोथकुंटा में 40 एकड़ भूमि के एक भूखंड से संबंधित अवमानना मामले पर यह निर्देश दिया, जिसमें एक निजी निर्माण कंपनी शामिल थी। न्यायाधीश ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि उनके डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान हाई कोर्ट में हाइड्रा कमिश्नर के खिलाफ कथित तौर पर 63 अवमानना के मामले लंबित हैं। अदालत ने पाया कि सचिव स्तर के अधिकारी द्वारा अदालत की अवमानना करना अनुचित था। एक निजी निर्माण कंपनी ने लोधकुंटा स्थित भूमि से संबंधित अवमानना का मामला दर्ज कराया था। कंपनी ने हाइड्रा के अधिकारियों पर न्यायिक निषेधाज्ञा के बावजूद संपत्ति में प्रवेश करने और बाड़ लगाने का आरोप लगाया था। उच्च न्यायालय ने रंगनाथ को सोमवार तक लिखित हलफनामे के माध्यम से माफी मांगने का आदेश दिया था। हालांकि, हाइड्रा का प्रतिनिधित्व कर रहे

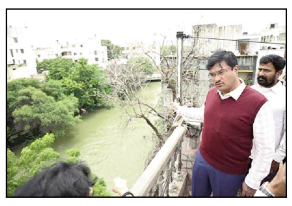

वकील ने अदालत को सूचित किया कि इसके बजाय जल्द ही एक याचिका दायर की जाएगी। अदालत ने इस दलील पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एडवोकेट जनरल के हस्तक्षेप के बाद हलफनामा दाखिल करने के लिए सोमवार तक का समय विशेष रूप से दिया गया था। इसमें इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि हाइड्रा आयुक्त पहले की चेतावनियों के बावजूद न्यायिक निर्देशों और न्यायालय के समक्ष दिए गए वचनों का बार-बार पालन करने में विफल रहे हैं। न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने टिप्पणी की कि यद्यपि सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करने का हाइड्रा का मिशन सराहनीय है, लेकिन इसकी शक्तियों का प्रयोग संयम के साथ और कानून के शासन के सख्त अनुपालन में किया जाना चाहिए। आयुक्त के कामकाज पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने मुख्य सचिव से वर्तमान आयुक्त के स्थान पर एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए एक उपयुक्त अधिकारी की तलाश करने को कहा। पिछली सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा था कि रंगनाथ के कानूनी रूप से संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सेना को बुलाना होगा। न्यायाधीश ने टिप्पणी की थी कि यदि आवश्यक हुआ तो वे सेना को हाइड्रा आयुक्त को हिरासत में लेने और अदालत के आदेशों का बार-बार उल्लंघन करने के लिए उन्हें सेना की बैरक में रखने का निर्देश दे सकते हैं।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को तोड़ने पर रोक, मुरादाबाद कमिश्नर ने दिए आदेश

एजेंसी

रामपुर। विकास प्राधिकरण (RDA) के 15 दिन में इमारतें गिराने के आदेश पर लगी रोक; छात्रों के शैक्षणिक भविष्य और समर्थन में कई संगठन आए आगे रामपुर/मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की रामपुर स्थित 'मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी' पर मंडरा रहे बुलडोजर के खतरे पर फिलहाल विराम लग गया है। मुरादाबाद कमिश्नर ने रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) द्वारा यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के जारी किए गए आदेश पर स्टे (रोक) लगा दिया है। गौरतलब है कि बीते 15 जुलाई को रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) ने जौहर यूनिवर्सिटी प्रशासन को एक नोटिस जारी किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि यूनिवर्सिटी कैंपस की 40 में से 38 इमारतों का निर्माण बिना नक्शा पास कराए व बिना अनुमति के किया गया है। आरडीए ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को 15 दिन के भीतर इन 38 भवनों को खुद ही ध्वस्त करने का कड़ा निर्देश दिया था। ध्वस्तीकरण के इस आदेश के बाद विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी थीं। कार्रवाई पर

रोक की मांग को लेकर कई सामाजिक-राजनीतिक संगठन और नेता सामने आएः प्रतिनिधिमंडल का दौराः 'जमात-ए-इस्लामी हिंद' (JIH) के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा कर वहां के शिक्षकों, छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रशासन से मुलाकात कर अपना समर्थन जताया। राज्यपाल के नाम ज्ञापनः प्रतिनिधिमंडल ने रामपुर जिला मजिस्ट्रेट (DM) के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। शैक्षणिक हितों की रक्षा की मांगः ज्ञापन के जरिए राज्य सरकार से अपील की गई कि यूनिवर्सिटी परिसर में किसी भी तरह की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, ताकि वहां पढ़ रहे हजारों छात्रों का शैक्षणिक सत्र और भविष्य सुरक्षित रह सके। मुरादाबाद मंडलायुक्त (कमिश्नर) द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश पर स्टे दिए जाने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन, शिक्षकों और वहां अध्ययनरत छात्रों ने राहत की सांस ली है।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान पूर्व टीएमसी विधायक को गिरफ्तार न किया जाए : कलकत्ता हाईकोर्ट

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के डिप्टी मेयर अतीन घोष को तब तक गिरफ्तार न किया जाए जब तक कि उनकी जमानत याचिका कोर्ट में लंबित है। जमीन हड़पने के आरोपों के सिलसिले में दर्ज मामले में अतीन घोष की अग्रिम जमानत की अर्जी पर जस्टिस तीर्थंकर घोष की सिंगल बेंच में सुनवाई होनी थी। हालांकि, किसी वजह से इस मामले की सुनवाई मंगलवार तक टाल दी गई लेकिन जस्टिस घोष ने पुलिस को निर्देश दिया कि जब तक मामला लंबित है, अतीन घोष को गिरफ्तार न किया जाए। पिछले महीने, उत्तर 24 परगना जिले में बिधाननगर सिटी पुलिस के तहत आने वाले बिधाननगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन ने इस मामले में पूछताछ के लिए घोष और उनकी बेटी प्रियदर्शनी घोष को बुलाया था। इसके बाद अतीन घोष ने अग्रिम ज़मानत की अर्जी के साथ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

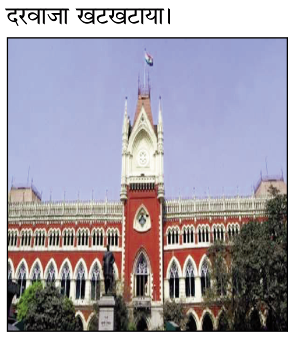

मामले की सुनवाई टालने का फैसला सुनाते हुए जस्टिस घोष ने यह भी कहा कि अक्सर पुलिस की यह आदत होती है कि गिरफ्तारी समेत पुलिस की सख्त कार्रवाई से कोर्ट से मिली अंतरिम सुरक्षा की अवधि खत्म होते ही वे किसी भी आरोपी को हिरासत में ले लेते हैं।

उन्होंने कहा, 'इस मामले में याचिकाकर्ता को गिरफ्तार न करें। मैंने देखा है कि कई मामलों में, किसी भी अंतरिम सुरक्षा की अवधि खत्म होने के तुरंत बाद पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। '

जस्टिस घोष की इस टिप्पणी के जवाब में सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि पुलिस हर मामले में हालात के आधार पर कार्रवाई करती है।सरकारी वकील ने कहा, 'हालांकि, अगर कोई मामला लंबित है, तो आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस को इस बारे में सूचित कर दिया जाएगा। ' पिछले महीने, अतीन घोष और उनकी बेटी के खिलाफ जमीन हड़पने का मामला दर्ज किया गया था। उन पर 50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। एक होटल मालिक ने आरोप लगाया कि उनकी संपत्ति बहुत कम पैसे में जबरदस्ती ले ली गई थी।

हालांकि यह घटना प्रगति मैदान पुलिस स्टेशन इलाके में हुई थी लेकिन बाद में कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में बिधाननगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। उस पुलिस स्टेशन के अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। हालांकि, अतीन घोष ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता जिसने शिकायत की है। मेरी बेटी ने उससे एक संपत्ति खरीदी थी। मेरे 50 साल के राजनीतिक जीवन में, कोई भी मुझ पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। फिर भी, अगर पुलिस मुझे जांच के लिए बुलाती है, तो मैं हर तरह से सहयोग करने के लिए तैयार हूं। '

आईसीडीएस निदेशक ने किया 181 हैल्पलाइन कॉल सेंटर का निरीक्षण

एजेंसी

जयपुर। आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवाएं) निदेशक वासुदेव मालावत ने कहा कि राजस्थान संपर्क (181) पोर्टल पर विभाग की शिकायतों के निस्तारण में 73.54 प्रतिशत नागरिक संतुष्टि प्राप्त होना प्रभावी एवं जन-केंद्रित शिकायत निवारण व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे नागरिकों का विश्वास और मजबूत हो। मालावत ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कंट्रोल रूम का दौरा कर विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिये। उन्होंने लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण तथा शिकायतों के प्रभावी समाधान पर विशेष जोर दिया। समीक्षा के दौरान मालावत ने परिवादियों से दूरभाष पर सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने शिकायतों के समाधान, प्राप्त राहत एवं विभागीय कार्रवाई के प्रति शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का फीडबैक लिया। जिन मामलों में अतिरिक्त कार्रवाई की आवश्यकता सामने आई, उनमें संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। जोधपुर के सौरव से बात करने पर परिवादी ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में आवेदन करने के बाद भी उन्हें अब तक भुगतान नहीं हुआ है। इसी प्रकार भीलवाड़ा के फूलसिंह तथा भीलवाड़ा के राहुल ने अपने क्षेत्र में आंगनबाड़ी की जर्जर स्थिति के बारे में शिकायत की। अलवर की प्रियंका ने आंगनबाड़ी केन्द्र पर पोषाहार नहीं मिलने के बारे में बताया। निदेशक श्री मालावत ने सभी परिवादियों की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुना और त्वरित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया।

बिहार बंद हिंसा : 694 हिरासत में, 355 जेल भेजे गए

एजेंसी

पटना। बिहार पुलिस मुख्यालय ने 25 जुलाई को विभिन्न छात्र संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र-युवा संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शन और बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा को लेकर जानकारी जारी करते हुए बताया कि राज्यभर में कुल 694 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें सत्यापन के बाद 339 नाबालिगों और छात्रों को छोड़ दिया गया, जबकि हिंसक घटनाओं में संलिप्त पाए गए 355 लोगों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कई जिलों में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई। हिंसा में कुल 91 पुलिस पदाधिकारी और जवान घायल हुए हैं। घायलों में सिवान और सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक के अलावा दो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी शामिल हैं। कई थाना प्रभारियों को भी गंभीर चोटें आई हैं, जबकि गांधी मैदान थाना प्रभारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हिंसा के दौरान 14 सरकारी वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा एक वाहन को आग के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा 13 आम नागरिक भी घायल हुए हैं। सारण जिले में हिंसा के दौरान सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी गंभीर

रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार उनकी एक आंख की रोशनी चली गई है और उनका इलाज आईजीआईएमएस में चल रहा है। वहीं रिविलगंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी पर भी जानलेवा हमला हुआ, जिसमें उनके सिर में गंभीर चोट आई। उनकी सर्जरी मेदांता अस्पताल में की गई है।

पुलिस के मुताबिक दोनों अधिकारी गंभीर रूप से घायल हैं और उपचाराधीन हैं। इसी बीच बिहार पुलिस मुख्यालय ने सिवान में एके-47 फायरिंग मामले पर भी स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस के अनुसार, 25 जुलाई को जेपी चौक के पास प्रदर्शनकारियों से घिर जाने पर सिपाही अभिषेक कुमार ने सरकारी संपत्ति और पुलिस बल की सुरक्षा के उद्देश्य से चार राउंड हवा में फायरिंग की थी। पुलिस का दावा है कि इस फायरिंग से भीड़ में शामिल कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। मुख्यालय ने बताया कि सिपाही अभिषेक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं गोली लगने से घायल तीन युवकों मो. आरिफ, आकाश कुमार और बुलेट कुमार गौड़ के बयान पर सिवान नगर थाना में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस का कहना है कि तीनों युवक जेपी चौक से डेढ़ से दो किलोमीटर दूर अलग-अलग स्थानों पर घायल हुए थे और चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। इनमें से मो. आरिफ को मेदांता अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है।

सिवान के पुलिस अधीक्षक पूरन झा ने कहा कि प्रारंभिक जांच में एके-47 की फायरिंग से किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि डीआईयू की टीम उसी दिन सुबह हुई एक हत्या की जांच के सिलसिले में वहां से गुजर रही थी। पूरे मामले की संयुक्त जांच कमिश्नर और डीआईजी स्तर पर कराई जा रही है, जिसकी रिपोर्ट अभी प्रक्रियाधीन है।

नितिन नवीन और सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राजग का शक्ति प्रदर्शन, बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में हुआ रोड शो

एजेंसी

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के अंतिम दौर के प्रचार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने रोड शो का आयोजन किया। इस रोड शो का नेतृत्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन ने किया। उनके साथ बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रवि शंकर प्रसाद, मंत्री श्रवण कुमार, संतोष कुमार सुमन, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी तथा एनडीए के अनेक वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि एक रथ पर सवार होकर जनता का अभिवादन करते रहे।

भाजपा-राजग के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा भी पूरे रोड शो के दौरान नेताओं के साथ मौजूद रहे। भट्टाचार्य मोड़ से प्रारंभ हुआ यह रोड शो भाजपा के झंडों, बैनरों और स्वागत द्वारों से सजा हुआ था। सड़क के दोनों ओर मौजूद लोगों ने फूलों की वर्षा कर नेताओं का स्वागत किया। जगह-जगह महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों ने

पुष्पमालाएं, गुलदस्ते और जयघोष के साथ नेताओं का अभिनंदन किया। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नितिन नवीन लगातार हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते रहे। उन्होंने दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। घरों की बालकनियों, छतों और झरोखों से लोगों ने पुष्पवर्षा कर नेताओं का स्वागत किया। अनेक स्थानों पर महिलाओं ने अपने घरों की छतों से आरती उतारकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, नितीन नवीन और राजग नेताओं का अभिनंदन किया। पूरा वातावरण भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय श्रीराम तथा भाजपा के समर्थन में गूंजते नारों से उत्साहपूर्ण बना रहा। रोड शो का निर्धारित मार्ग भट्टाचार्य मोड़ से प्रारंभ होकर उमा सिनेमा, बुद्ध मूर्ति चौराहा, कदमकुआं वेडिंग जोन, नाला रोड चौराहा, ठाकुरबाड़ी रोड, रूपक सिनेमा, उद्योग भवन होते हुए मोना सिनेमा के समीप पहुंचा, जहां यह एक जनसभा में परिवर्तित हो गया। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड से बड़ी संख्या में भाजपा एवं राजग कार्यकर्ता अपने-अपने झंडों और बैनरों के साथ रोड शो में शामिल हुए। युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं भी बड़ी संख्या में सड़क किनारे खड़ी होकर नेताओं का स्वागत करती रहीं।

कई स्थानों पर पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और शंखध्वनि के बीच नेताओं का अभिनंदन किया गया। पूरे रोड शो के दौरान सुरक्षा एवं यातायात की समुचित व्यवस्था की गई थी। भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनता का यह अपार जनसमर्थन मतदान के दिन रिकॉर्ड मतों में परिवर्तित होगा और भाजपा-एनडीए प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेंगे।

मुख्य सचिव ने औद्योगिक पार्कों के प्रस्तावों की समीक्षा कर डीपीआईआईटी को प्रेषित करने को दी मंजूरी

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के अंतर्गत राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा विकसित किए जा रहे औद्योगिक पार्कों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। समिति ने इन प्रस्तावों को उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग , भारत सरकार को अनुमोदन एवं आगे की कार्यवाही के लिए प्रेषित करने की स्वीकृति प्रदान की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अग्रवाल ने भव्य योजना के अंतर्गत प्रस्तावित चार औद्योगिक पार्कों -केबीएनआईआर इंडस्ट्रियल पार्क, कोटपूतली-बहरोड़; दौसा-बांदीकुई इंडस्ट्रियल पार्क, भोज्यारा इंडस्ट्रियल पार्क, जयपुर; तथा उदयपुर कलां इंडस्ट्रियल पार्क, किशनगढ़ (अजमेर) के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि भव्य केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे डीपीआईआईटी द्वारा 10 अप्रैल 2026 को अधिसूचित किया गया है। योजना का उद्देश्य देशभर में निवेश के लिए तैयार विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्क विकसित करना है। 23 मई 2026 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक संचालित होने वाली इस योजना के तहत लगभग 33 हजार 600 करोड़ के वित्तीय प्रावधान के साथ देशभर में 100 औद्योगिक पार्कों के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन पार्कों का चयन दो या अधिक चरणों में किया जाएगा, जिनमें प्रथम चरण में अधिकतम 50 परियोजनाओं को शामिल किए जाने का प्रावधान है।प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि प्रस्तावित चारों औद्योगिक पार्कों का कुल क्षेत्रफल लगभग 2 हजार एकड़ है। इन परियोजनाओं के माध्यम से 8 हजार से 10 हजार करोड़ रूपये तक के निवेश तथा 45 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन की प्रबल संभावना है। प्रस्तुतीकरण में पार्कों के लिए चयनित स्थलों की विशेषताओं, सेक्टर-विशिष्ट विकास, अवसंरचना योजना, कनेक्टिविटी, भूमि उपलब्धता तथा निवेश एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि ये प्रस्ताव राज्य में सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक विकास को गति देने, विनिर्माण पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने तथा मेक इन इंडिया एवं एकीकृत औद्योगिक कॉरिडोर जैसी राष्ट्रीय पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

किसान के बेटे सर्वेश ने रचा इतिहास

भारत को हाई जंप में पहला रजत पदक

ग्लास्गो(एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय एथलीट ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

काउंटबैक में स्वर्ण से चूके

सर्वेश और जमैका के रोमेन बेकफोर्ड दोनों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पर दोनों असफल रहे। इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर फैसला हुआ। बेकफोर्ड ने कम असफल प्रयास किए थे, इसलिए उन्हें स्वर्ण पदक मिला, जबकि सर्वेश को रजत से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेत से कॉमनवेल्थ पोडियम तक का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव निवासी सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते हैं। बचपन में सुविधाओं की कमी के कारण उनके पिता और पहले कोच ने मकई के छिलकों, कपास और खेतों के अन्य अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार की, ताकि सर्वेश हाई जंप का अभ्यास कर सकें।

बढ़ा आत्मविश्वास

सर्वेश हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसी महीने उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 2.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले भारत के चौथे एथलीट बने थे। इससे पहले उन्होंने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

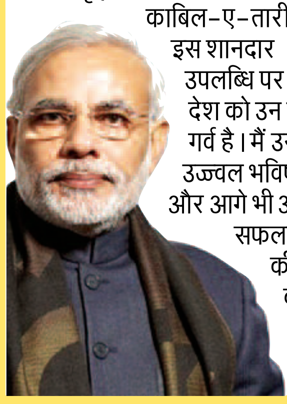

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सर्वेश कुशारे को बधाई देते हुए लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुष हाई जंप में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को हार्दिक बधाई। उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता काबिल-ए-तारीफ है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को उन पर गर्व है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना करता हूं।'

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना चाहता हूं

अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद सर्वेश ने कहा, 'यह मेरा पहला पदक है और किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहला पदक है। एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम प्रतियोगिताएं हैं। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इसके साथ ही मैं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं।' मुकाबले के आखिरी प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं हर ऊंचाई को पहले ही प्रयास में पार करना चाहता था। यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।'

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

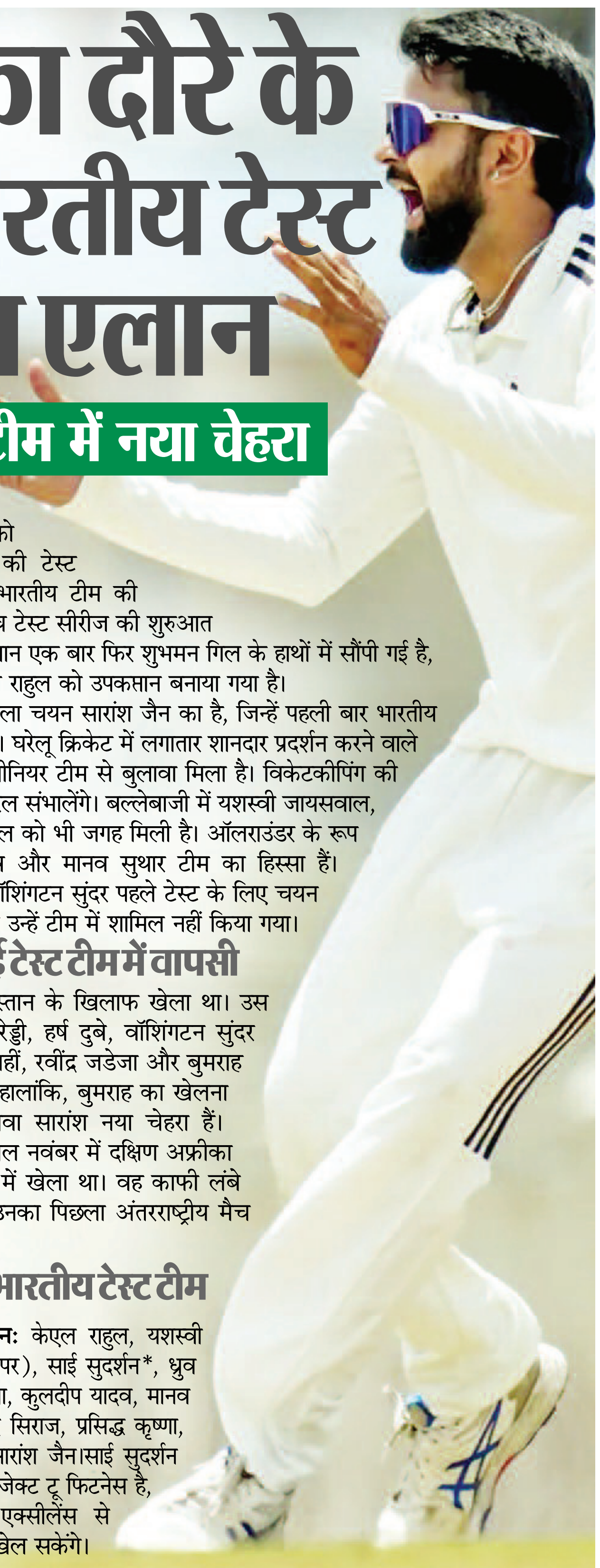

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

तेजस्विन शंकर ने जीता दिल: चोटिल होकर नहीं खेल पाए तो रो पड़े!

● फिर भारत को रजत पदक दिलाने में इस तरह की मदद

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर के लिए सोमवार का दिन बेहद भावुक रहा। घुटने की पुरानी चोट उभर आने के कारण उन्हें पुरुष हाई जंप स्पर्धा से बीच में ही हटना पड़ा, लेकिन अपने पदक का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान साथी खिलाड़ी सर्वेश कुशारे के साथ खड़े रहे और उन्हें तकनीकी सलाह देते रहे। तेजस्विन की यही सलाह सर्वेश के लिए निर्णायक साबित हुई और उन्होंने भारत को हाई जंप में ऐतिहासिक रजत पदक दिला दिया।

बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने वार्म-अप के दौरान घुटने में तेज दर्द महसूस किया। उन्होंने पहली ऊंचाई पार करने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने पर मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बावजूद वह स्टेडियम में मौजूद रहे और सर्वेश कुशारे के हर प्रयास पर नजर बनाए रखी।

सर्वेश ने बताया कि 2.25 मीटर की ऊंचाई पर उनकी लय बिगड़ गई थी और रन-अप छोटा पड़ने लगा था। ऐसे समय में तेजस्विन ने उन्हें रन-अप थोड़ा आगे से शुरू करने की सलाह दी, जिससे वह अपनी लय वापस हासिल कर सके और रजत पदक जीतने में सफल रहे।

बस एक दिन दर्द नहीं चाहिए था, लेकिन वही दिन आ गया

मुकाबले के बाद भावुक नजर आए तेजस्विन ने कहा, 'वार्म-अप के दौरान मेरे घुटने में अचानक तेज दर्द हुआ। यह कोई नई समस्या नहीं है। मुझे लंबे समय से टेंडोनाइटिस की दिक्कत है। लगभग हर हाई जंपर इस परेशानी से जूझता है, लेकिन आज यह दर्द ऐसे दिन बढ़ गया, जब मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन था कि मैं पदक जीत सकता हूं, लेकिन पहली ही ऊंचाई पार नहीं कर सका। यह बहुत तकलीफ देता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह पैटेलर टेंडन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से हुआ। कुछ असाधारण नहीं है, लेकिन आज यह अचानक बढ़ गया और मेरा पूरा मुकाबला खराब हो गया।' तेजस्विन ने बताया कि उन्होंने आगे जोखिम नहीं लिया क्योंकि दो दिन बाद डेकाथलॉन स्पर्धा शुरू होनी है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अभी दो दिन हैं। मैं इन दो दिनों में पूरी कोशिश करूंगा कि चोट से उबर सकूं। मैं यहां छुट्टियां मनाने नहीं आया हूं। मैं डेकाथलॉन में जरूर उतरूंगा। अगर किसी तरह हाई जंप और लंबी कूद में दर्द को संभाल लिया, तो बाकी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।'

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव!

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।

मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूं

म्यूजिक कंपोजर-प्रोड्यूसर और बैकग्राउंड स्कोर डायरेक्टर अभिजीत वघानी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में बातचीत में बताया कि इस समय वे टी-सीरीज मिक्सटेप के आगामी सीजन पर काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके इतने सारे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में से इस समय उन्हें सबसे ज्यादा व्यस्त कौन सा काम रख रहा है, तो उन्होंने कहा, 'अभी के लिए मेरा पूरा ध्यान 'मिक्सटेप' पर है। इसके बाद मेरी अकादमी का काम है। फिर मैंने हाल ही में 'कॉकटेल 2' का काम पूरा किया है और बॉलीवुड में आगे भी कई फिल्में आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूं। पिछले 27 साल में मैंने कई फिल्मों के लिए काम किया है। 'सूरज डूबा है', 'हाई हील्स', 'आज की पार्टी' और 'देसी बॉयज' जैसे कई गानों का सफर बहुत खास रहा है। यह महसूस करना बहुत अच्छा लगता है कि बॉलीवुड ने मुझे एक प्रोफेशनल और टॉप कैटेगरी के कलाकार के रूप में स्वीकार किया है, जो हमेशा मेरा सपना था। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।' मिक्सटेप के बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'मिक्सटेप हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। 9 साल पहले हमने एक सीजन किया था, जहां हम 'मिक्सटेप' में कुछ चीजें आजमाना चाहते थे। यह एक कवर चीज के तौर पर शुरू हुआ था , जहां हम एक कवर को शानदार बनाना चाहते थे। जैसे टी-सीरीज के कवर और कैटलॉग हैं, वे बहुत बड़े हैं, हमें 26,000-30,000 गानों और उस समय के कवर में से चुनना था।' उन्होंने आगे कहा, 'हम हर एक गाने को कवर करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब हमने एक कवर फाइनल किया, तो अचानक मैंने उसे बजाया और उस पर कुछ और गुनगुनाने लगा। हैरानी की बात यह थी कि वह धुन उसके साथ इतनी अच्छी तरह मेल खा गई। फिर हमने सोचा कि क्यों न कुछ अलग किया जाए। हमने तय किया कि इस गाने को दूसरे गाने के साथ मिलाकर एक मैशअप बनाया जाए। इसके बाद हमें महसूस हुआ कि दोनों गानों के बोल, सुर और पूरी बनावट एक-दूसरे के साथ बिल्कुल सही बैठ रहे हैं।'

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं?

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।'' निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

'हैवान' में दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाला किरदार निभा रहे हैं सैफ अली खान

'हैवान' में निभाता दिखूंगा भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार

सैफ अली खान जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की एक्शन-थ्रिलर 'हैवान' में दिखेंगे। सैफ इस फिल्म में एक दृष्टिबाधित लेकिन विशेष क्षमता वाले किरदार को निभा रहे हैं। अपने रोल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके करियर के सबसे दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। सैफ ने कहा, 'मेरे दिमाग में यह एक भारतीय ब्लाइंड समुराई जैसा किरदार है। वह देख नहीं सकता, लेकिन उसकी अन्य क्षमताएं असाधारण हैं। सबसे बड़ी चुनौती उसकी शारीरिक भाषा और एक्शन को वास्तविक बनाए रखना था, ताकि वह बनावटी न लगे।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।' बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

शहनाज मेरे लिए परिवार जैसी है

राघव जुयाल और शहनाज गिल का नाम पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। हाल ही में एक बर्थडे पार्टी से बाहर निकलते वक्त दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में भीड़ के बीच राघव, शहनाज को सुरक्षित बाहर निकालते नजर आए थे। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया। इसी बीच शहनाज गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में निजी जिंदगी से जुड़े सवाल को टालते हुए राघव जुयाल को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया था। साथ ही उन्होंने उनकी पहली लीड फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का समर्थन करते हुए लोगों से फिल्म देखने की अपील की थी। जब राघव जुयाल से उनकी पर्सनल लाइफ और शहनाज गिल के साथ जुड़ रहे नाम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'देखिए, पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन, हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा।

2023 में भी उड़ी थीं डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था।

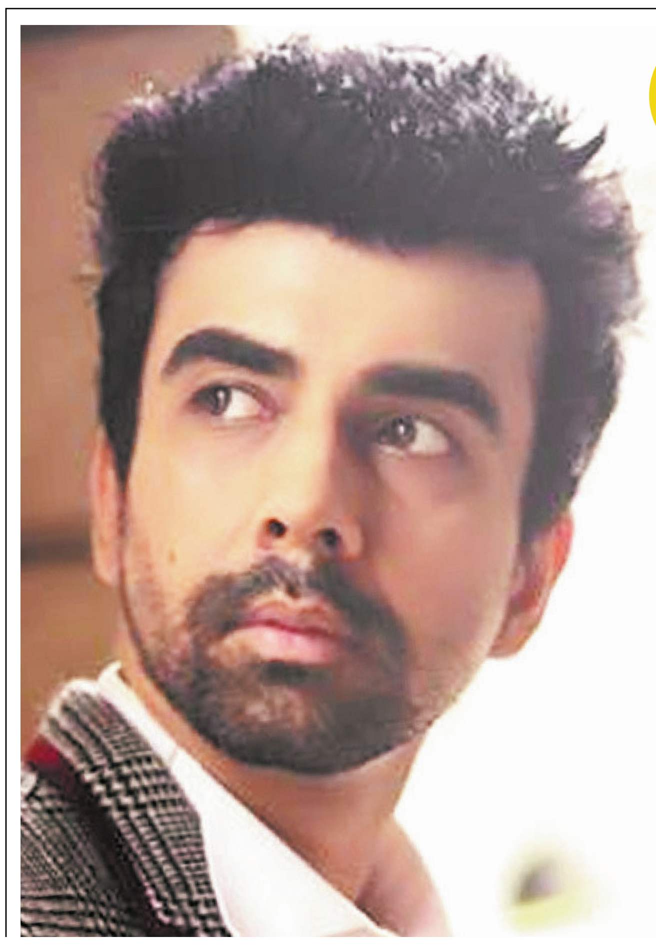

बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर थोड़ा घबराया हुआ था

अभिनेता नवीन कस्तूरिया अपनी वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' की रिलीज के लिए तैयार हैं। इसमें वह एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जो पेशे से स्कूल काउंसलर है, लेकिन निजी जिंदगी में अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्ते को समझने और संभालने की कोशिश कर रहा है।

अभिनेता ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा घबराहट एक पिता का रोल निभाने में हो रही थी। नवीन ने कहा, ''अगर आप मुझसे पूछें कि इस शो में सबसे मुश्किल क्या था, तो मेरा जवाब होगा कि काउंसलर का किरदार निभाने से ज्यादा घबराहट पिता का रोल निभाने में हुई। मैं अभी असल जिंदगी में पिता नहीं हूं, इसलिए उस भावनात्मक दुनिया में जाना बिल्कुल नया अनुभव था। एक पिता और बेटी के रिश्ते में प्यार होता है, अपनापन होता है, लेकिन कई बार झिझक भी होती है। इन भावनाओं को समझना मेरे लिए चुनौती भी थी और एक कलाकार के तौर पर सीखने का मौका भी।''

उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ अभिनय करना भी आसान नहीं था। नवीन ने कहा, ''मैं बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर भी थोड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि बच्चे बहुत सहज और ईमानदारी से अभिनय करते हैं। मेरी बेटी का किरदार निभाने वाली छोटी बच्ची बेहद शानदार कलाकार है। उसके साथ काम करते हुए मुझे भी हर सीन में पूरी ईमानदारी से अभिनय करना पड़ा।''

नवीन ने आगे कहा कि शो में उनका किरदार मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन इसके बावजूद दोनों अपने मन की बात एक-दूसरे से नहीं कह पाते। उन्होंने कहा, ''मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन दोनों वैसे बात नहीं कर पाते, जैसी करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि कई परिवार इस स्थिति को महसूस करेंगे। सबसे बड़ी चुनौती उन भावनाओं को पर्दे पर दिखाना था, जो दोनों के बीच बिना बोले रह जाती हैं। उन खामोश पलों में बहुत गहरी भावनाएं छिपी हैं और उन्हें सही तरीके से निभाना मेरे अभिनय के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा।''

'आदर्श बाल विद्यालय' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है। इसमें केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, प्रसन्ना बिष्ट, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी और प्राची शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सात एपिसोड की सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। इसे बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले बनाया है। 'आदर्श बाल विद्यालय' प्राइम वीडियो पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में स्ट्रीम होगी।

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले है, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का ख्याल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

रिसर्चरों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फैट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्चर्स का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्चर प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।

ताली बजाने के कई फायदे

हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्सर्जन संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

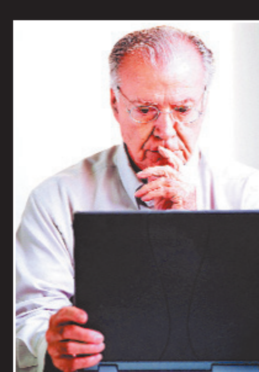

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।

जानें अनार के औषधीय गुण

हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमे धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवारे मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रोल लेबल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित रहने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पते बहूत बारीक पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पीयें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।
- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया मं सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा) में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पतों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब ठंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ़ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सुखाकर बारीक पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाइयां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।
- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पीएं, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रात:काल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।

अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

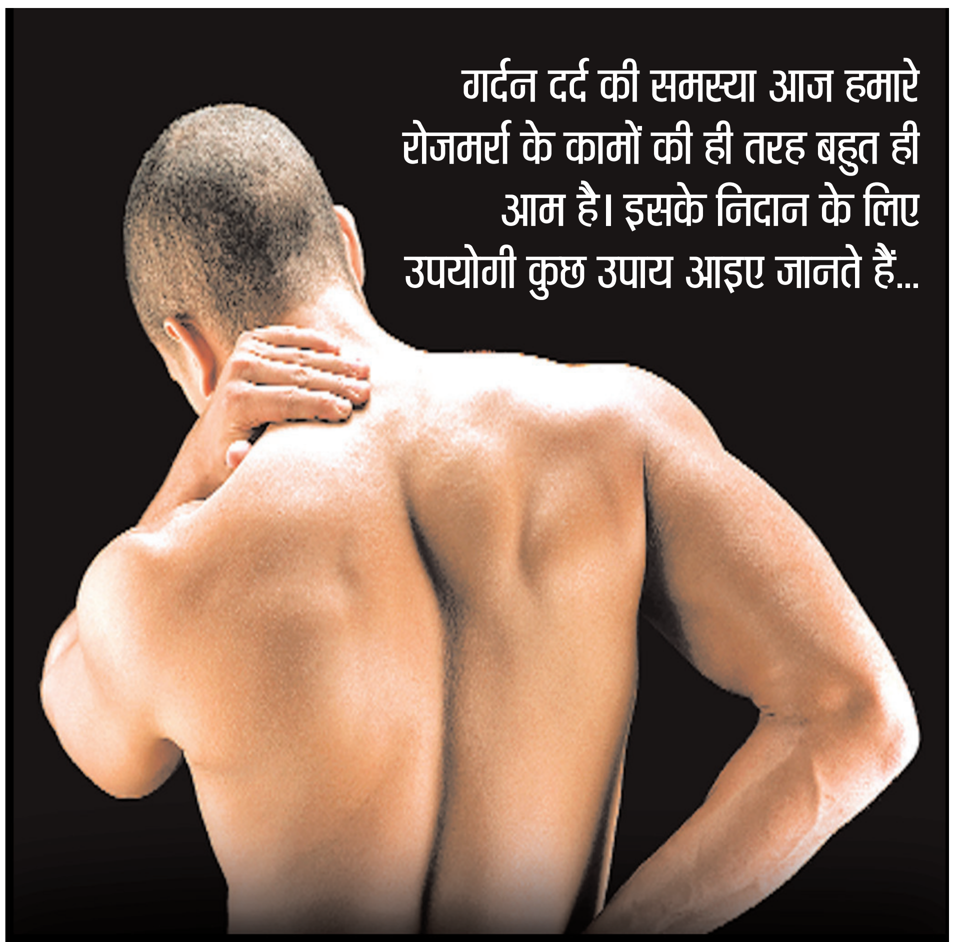

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...

गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी. वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चिंतक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पेंटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोज़ीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज़्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूर्मेटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।